PRODUCT INDEX

INDEX

1. MARGDARSHIKA
2. THEORY NOTES
3. UNIT WISE MCQ
4. AMRIUT BOOKLET
5. PYQ
6. TREND ANALYSIS
7. TOPPERS TOOL KIT (TTK)
8. MODEL PAPER

CLICK HERE TO GET

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

यूनिट-I लोक प्रशासन

1. लोक प्रशासन का परिचय

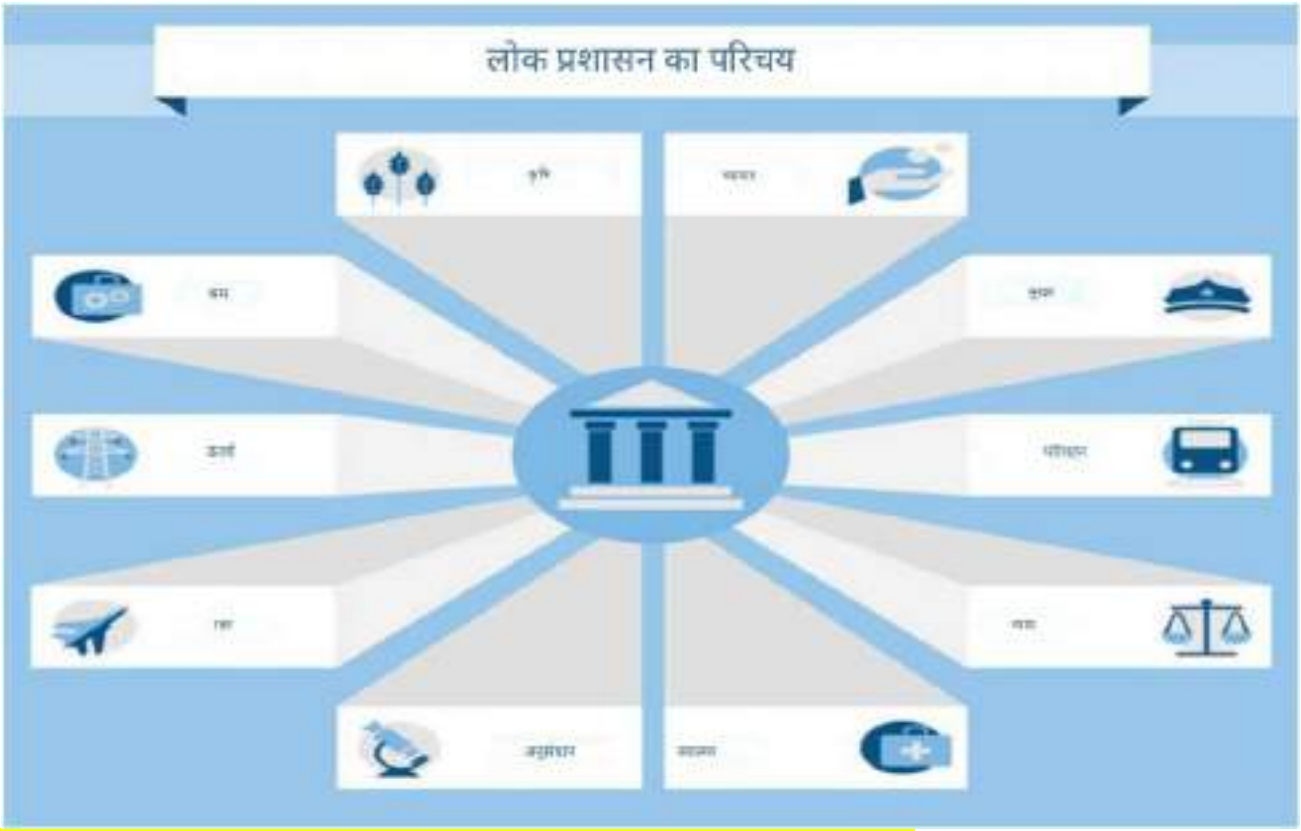

1.1. लोक प्रशासन: अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र और महत्व

- **अर्थ:**
  - **व्युत्पत्तिगत मूल:** "पब्लिक" लैटिन पब्लिकस (लोगों का, राज्य से संबंधित) से + "एडमिनिस्टर" लैटिन एड (से) + मिनिस्ट्रे (सेवा करना, प्रबंधन करना, मामलों को नियंत्रित करना) से। इस प्रकार, सार्वजनिक मामलों का प्रबंधन।
  - **शास्त्रीय परिभाषाएँ (निष्पादन पर ध्यान):**

- **वुडरो विल्सन (1887, "द स्टडी ऑफ़ एडमिनिस्ट्रेशन"):** अक्सर अमेरिका में "लोक प्रशासन के जनक" के रूप में उद्धृत किए जाते हैं। पीए को "सार्वजनिक कानून के विस्तृत और व्यवस्थित निष्पादन" के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने इसे राजनीति से अलग "व्यवसाय के क्षेत्र" के रूप में देखा, जिसका उद्देश्य दक्षता और अर्थव्यवस्था है, उन्होंने सुझाव दिया कि इसे "राजनीति की जल्दबाजी और संघर्ष" से मुक्त होना चाहिए। उनके निबंध ने पीए की औपचारिक शुरुआत को एक अलग शैक्षणिक अनुशासन के रूप में चिह्नित किया।
- **एलडी व्हाइट (1926, "पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के अध्ययन का परिचय"):** पीए पर पहली पाठ्यपुस्तक। पीए को "वे सभी कार्य जो अपने उद्देश्य के लिए सार्वजनिक नीति की पूर्ति या प्रवर्तन करते हैं" के रूप में परिभाषित किया। प्रचलित द्वंद्व के बावजूद नीति और प्रशासन के "निर्बाध वेब" पर जोर दिया।

- **आधुनिक परिभाषाएँ (व्यापक दायरा):**
  - **ड्वाइट वाल्डो (1955, "द स्टडी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन"):** उन्होंने पी.ए. को "प्रबंधन, संगठन और राज्य के सिद्धांत" के रूप में देखा। उन्होंने इसके मूल्य-आधारित स्वभाव और अंत:विषय चरित्र पर जोर दिया, तथा संकीर्ण, मूल्य-तटस्थ दृष्टिकोण को चुनौती दी।

- **फेलिक्स ए. नीग्रो और लॉयड जी. नीग्रो (1970 के दशक):** पीए को "सार्वजनिक सेटिंग में सहकारी समूह प्रयास" के रूप में परिभाषित किया। इसके तीन महत्वपूर्ण तत्वों पर प्रकाश डाला: सार्वजनिक सेटिंग (इसे निजी प्रशासन से अलग करते हुए), सार्वजनिक नीति निर्माण और कार्यान्वयन, और जनता के लिए सेवा।
- **समकालीन दृष्टिकोण:** लोक प्रशासन राज्य के मामलों पर लागू प्रबंधन की कला और विज्ञान है। इसमें नीति निर्माण, कार्यान्वयन, मूल्यांकन और सार्वजनिक सेवाओं का प्रावधान शामिल है, जो राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक संदर्भ में संचालित होता है। यह दक्षता, प्रभावशीलता, अर्थव्यवस्था, समानता और जवाबदेही से संबंधित है।

- **प्रकृति:**
  - **कला या विज्ञान?** यह बहस इस विधा के शुरुआती दिनों से चली आ रही है।
    - **एक कला के रूप में:** समर्थकों का तर्क है कि प्रभावी प्रशासन के लिए रचनात्मकता, अंतर्ज्ञान, निर्णय, मानवीय संबंध कौशल और अनुकूलन क्षमता की आवश्यकता होती है - ऐसे गुण जो आसानी से वैज्ञानिक नियमों में नहीं बदले जा सकते। उदाहरणों में नेतृत्व, बातचीत, संकट प्रबंधन शामिल हैं।
    - **विज्ञान के रूप में:** प्रारंभिक समर्थक (उदाहरण एफडब्ल्यू टेलर,

गुलिक और उर्विक) सार्वभौमिक "सिद्धांतों" या "नियमों" की खोज में विश्वास करते थे जिन्हें पूर्वानुमानित परिणाम प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रूप से लागू किया जा सकता था, जिससे यह एक मूल्य-तटस्थ, अनुभवजन्य अनुशासन बन गया। व्यवहार आंदोलन (साइमन, डाहल) ने भी प्रशासनिक व्यवहार के अधिक वैज्ञानिक, अनुभवजन्य अध्ययन के लिए जोर दिया। बहस जारी है, कई लोग इसे एक सामाजिक विज्ञान के रूप में देखते हैं - वैज्ञानिक कठोरता की आकांक्षा रखते हैं लेकिन मानवीय चर और मूल्य आयामों को स्वीकार करते हैं।

- **सार्वजनिक बनाम निजी प्रशासन:**
  - **समानताएँ (गुलिक, फेयोल, उर्विक):** दोनों में नियोजन, संगठन, स्टाफिंग, निर्देशन, समन्वय, बजट बनाना शामिल है। सामान्य प्रबंधन तकनीकें।
  - **मतभेद (पॉल एच. एप्पलबी, हर्बर्ट साइमन, पीटर ड्रकर):**
    - **सार्वजनिक जवाबदेही:** सार्वजनिक प्रशासन जनता, विधायिका और न्यायपालिका के प्रति कहीं अधिक जवाबदेह है। राजनीतिक निगरानी सर्वोपरि है।
    - **सार्वजनिक जांच:** निरंतर सार्वजनिक और मीडिया की निगाह में काम करता है। पारदर्शिता एक मुख्य मूल्य है।
    - **सेवा उद्देश्य बनाम लाभ उद्देश्य:** पी.ए. का प्राथमिक लक्ष्य सार्वजनिक सेवा है, न कि अधिकतम लाभ कमाना। दक्षता

अक्सर समानता और निष्पक्षता से प्रभावित होती है।

- **कानूनी ढांचा:** संवैधानिक प्रावधानों, क़ानूनों, नियमों और विनियमों द्वारा शासित; निजी क्षेत्र की तुलना में कम लचीलापन।
- **एकाधिकार/निकट एकाधिकार:** प्रायः ऐसे क्षेत्रों में कार्य करता है जहां इसका एकाधिकार या सीमित प्रतिस्पर्धा होती है (उदाहरण रक्षा, न्याय)।
- **सार्वजनिक प्रभाव:** निर्णयों का व्यापक, प्रायः अपरिवर्तनीय, सामाजिक प्रभाव होता है।
- **राजनीतिक संदर्भ:** राजनीति से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ; राजनीतिक स्वामी नीति निर्धारित करते हैं।
- **कार्मिक प्रबंधन:** भर्ती, पदोन्नति और अनुशासन के लिए सख्त नियम (उदाहरण सिविल सेवा नियम, आरक्षण)।
- **प्रदर्शन का मापन:** 'लाभ' या 'निवेश पर प्रतिफल' को मापना कठिन है; प्रायः यह अमूर्त आउटपुट और परिणामों पर निर्भर करता है।
- **नौकरशाही प्रकृति:** पदानुक्रम, नियम, अवैयक्तिकता की ओर प्रवृत्ति (वेबर के अनुसार)।

- **प्रक्रिया बनाम अनुशासन:** पी.ए. सार्वजनिक मामलों के प्रबंधन की प्रक्रिया और इस प्रक्रिया का अध्ययन करने वाला एक अकादमिक

OUR ALL PRODUCTS

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

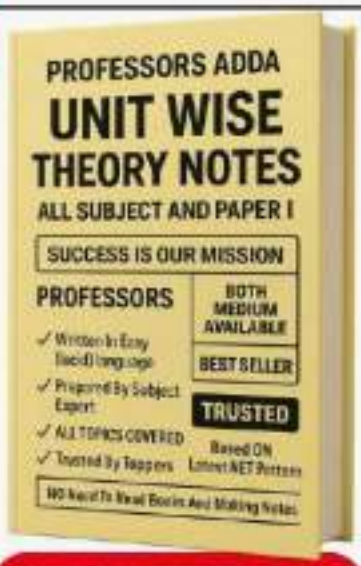

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

+91 7690022111+91 9216228788

अनुशासन दोनों है।

- **अंतःविषयक प्रकृति:** राजनीति विज्ञान (संदर्भ, वैधता), समाजशास्त्र (सामाजिक प्रभाव, समूह गतिशीलता), अर्थशास्त्र (संसाधन आवंटन, सार्वजनिक वित्त), मनोविज्ञान (प्रेरणा, नेतृत्व), कानून (कानूनी ढांचा), नैतिकता से काफी हद तक प्रभावित है।

- **दायरा:**
  - **POSDCORB दृष्टिकोण (लूथर गुलिक और लिंडाल उर्विक):** यह **संकीर्ण, प्रबंधकीय, कार्यात्मक** दृष्टिकोण है।
    - **योजना** बनाना: व्यापक रूपरेखा, नीतियां, प्रक्रियाएं तैयार करना।
    - **आयोजन** : औपचारिक संरचना की स्थापना, कार्य की व्यवस्था और संबंधन।
    - **स्टाफिंग** : कार्मिक कार्य (भर्ती, प्रशिक्षण, कार्य स्थितियां)।
    - **निर्देशन** : निर्णय लेने, निर्देश जारी करने का सतत कार्य।
    - **समन्वयन** : कार्य के विभिन्न भागों को परस्पर संबद्ध करना।
    - **रिपोर्टिंग** : अभिलेखों, अनुसंधान के माध्यम से वरिष्ठों और अधीनस्थों को सूचित करना।
    - **बजट** : राजकोषीय योजना, लेखांकन, नियंत्रण।
    - **आलोचना:** इस दृष्टिकोण की आलोचना इस बात के लिए की जाती है कि यह प्रशासन कैसे किया जाता है (प्रबंधन तकनीक) पर बहुत अधिक केंद्रित है और जो प्रशासित किया जाता है (मूलभूत

कार्य/नीति क्षेत्र) को अनदेखा करता है। इसका तात्पर्य है कि पी.ए. मूल्य-तटस्थ है और संदर्भ को अनदेखा करते हुए सार्वभौमिक रूप से लागू होता है।

- **विषय-वस्तु दृष्टिकोण (एल.डी. व्हाइट, डब्ल्यू.एफ. विलोबी, फ़िफ़नर):** यह **व्यापक, मूलभूत** दृष्टिकोण है।
  - यह सार्वजनिक गतिविधि के मूल क्षेत्रों (उदाहरण: रक्षा प्रशासन, स्वास्थ्य प्रशासन, शिक्षा प्रशासन, सामाजिक कल्याण प्रशासन) पर केंद्रित है।
  - **एल.डी. व्हाइट:** उन्होंने तर्क दिया कि प्रबंधन सिद्धांत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन लोक प्रशासन में प्रदान की जाने वाली सेवाओं से संबंधित ज्ञान के विशिष्ट निकाय भी शामिल होते हैं।
  - **डब्ल्यूएफ विलोबी:** चार श्रेणियों की पहचान की गई: प्रशासनिक संगठन, कार्मिक, वित्तीय प्रशासन, और भौतिक प्रशासन, साथ ही मूलभूत कार्य।
- **एकीकृत दृष्टिकोण (आधुनिक/व्यापक):** प्रबंधकीय पहलुओं (POSDCORB) और विषय-वस्तु पहलुओं दोनों को जोड़ता है। यह स्वीकार करता है कि लोक प्रशासन सामान्य प्रबंधन सिद्धांतों को लागू करता है लेकिन विशिष्ट नीति संदर्भों के भीतर, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक कारकों से प्रभावित होता है। इसमें नीति निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन शामिल है।
- **प्रमुख प्रवृत्तियों का दायरा बढ़ रहा है:** नया सार्वजनिक प्रबंधन,

सुशासन, डिजिटल शासन, नैतिकता, जवाबदेही, ग्राहक/भागीदार के रूप में नागरिकों पर ध्यान केंद्रित करना।

- **महत्व:**
  - **आधुनिक शासन की नींव:** जटिल आधुनिक समाजों के लिए प्रशासनिक राज्य अपरिहार्य है।
  - **कार्यान्वयन शाखा:** राजनीतिक इच्छाशक्ति (कानून, नीतियाँ) को कार्रवाई में बदलना। प्रभावी पी.ए. के बिना, नीतियाँ महज़ आकांक्षाएँ बनकर रह जाती हैं।
  - **सेवा वितरण:** आवश्यक सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं (शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचा, कानून और व्यवस्था) को वितरित करना। नागरिकों के दैनिक जीवन पर सीधा प्रभाव।
  - **सामाजिक एवं आर्थिक विकास:** विकास कार्यक्रमों की योजना बनाने और कार्यान्वयन, गरीबी उन्मूलन, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - **नीति निर्माण:** प्रशासक तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करते हैं, कार्यान्वयन से फीडबैक लेते हैं, तथा नीति निर्माताओं को सलाह देते हैं, तथा प्रायः स्वयं नीति को आकार देते हैं।
  - **स्थिरता और निरंतरता:** राजनीतिक नेतृत्व में परिवर्तन के बावजूद सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है।
  - **जवाबदेही और पारदर्शिता:** आधुनिक पी.ए. पारदर्शिता, नागरिक

भागीदारी और प्रशासन को जवाबदेह बनाने के तंत्र पर जोर देता है।

- **संकट प्रबंधन:** आपात स्थितियों (प्राकृतिक आपदाएं, महामारी, सुरक्षा खतरे) के दौरान महत्वपूर्ण।
- **सरकार और नागरिकों को जोड़ना:** राज्य और उसके नागरिकों के बीच सीधा संपर्क।

1.2. अनुशासन का विकास और वर्तमान स्थिति

- **1887 से पहले: प्रशासन की जड़ें:**
  - प्राचीन सभ्यताओं में परिष्कृत प्रशासनिक प्रणालियाँ थीं (मिस्र, रोम, भारत में मौर्य साम्राज्य - कौटिल्य का अर्थशास्त्र)।
  - **कैमेरलिज्म (17वीं-18वीं शताब्दी जर्मनी और ऑस्ट्रिया):**

राजतंत्र को मजबूत करने के लिए राज्य संसाधनों के कुशल प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक पूर्व-वैज्ञानिक जर्मन प्रशासनिक सिद्धांत। व्यवस्थित प्रशासन और अधिकारियों के प्रशिक्षण पर जोर दिया गया। इसे आधुनिक पीए के अग्रदूत के रूप में देखा जाता है।

- **प्रारंभिक अमेरिकी लोक प्रशासन:** उत्तर-जैक्सनियन लोकतंत्र की "स्पॉइल्स सिस्टम" की विशेषता, जहां सार्वजनिक नौकरियां राजनीतिक निष्ठा के लिए पुरस्कार थीं।

- **विकास के चरण (निकोलस हेनरी के पाँच प्रतिमान - व्यापक रूप से स्वीकृत रूपरेखा):**
  1. **प्रतिमान I: राजनीति-प्रशासन द्वंद्व (1887-1926)**
     - **मूल विचार:** राजनीति (नीति निर्माण) को प्रशासन (नीति क्रियान्वयन) से अलग करना।
     - **प्रमुख प्रस्तावक:**
       - **वुडरो विल्सन ("द स्टडी ऑफ़ एडमिनिस्ट्रेशन," 1887):** उन्होंने पीए को दक्षता प्राप्त करने के लिए एक तटस्थ, व्यावसायिक गतिविधि के रूप में तर्क दिया। यूरोपीय प्रशासनिक दक्षता (विशेष रूप से प्रशिया) से प्रेरित।
       - **फ्रैंक जे. गुडनॉ ('राजनीति और प्रशासन', 1900):** इस अंतर को व्यवस्थित करते हुए कहा कि राजनीति का संबंध 'नीतियों या राज्य की इच्छा की अभिव्यक्ति' से है, जबकि

प्रशासन का संबंध 'इन नीतियों के क्रियान्वयन' से है।[1]

- **लक्ष्य:** पीए को एक स्वतंत्र, मूल्य-मुक्त, कुशल विज्ञान के रूप में स्थापित करना, जो भ्रष्टाचार और लूट प्रणाली की अकुशलता से मुक्त हो।
- **प्रभाव:** लोक प्रशासन के स्कूलों की स्थापना हुई और प्रशासनिक सिद्धांतों पर प्रारंभिक ध्यान दिया गया।

2. **प्रतिमान II: प्रशासन के सिद्धांत (1927-1937)**
   - **मूल विचार:** यह विश्वास कि प्रशासन के सार्वभौमिक, वैज्ञानिक सिद्धांतों या नियमों की खोज की जा सकती है, उन्हें पढ़ाया जा सकता है, तथा अधिकतम दक्षता प्राप्त करने के लिए सभी संगठनों (सार्वजनिक या निजी) में लागू किया जा सकता है।
   - **प्रमुख प्रस्तावक:**
     - **लूथर गुलिक और लिंडेल उर्विक ("प्रशासन के विज्ञान पर पत्र," 1937):** POSDCORB (योजना, संगठन, स्टाफिंग, निर्देशन, समन्वय, रिपोर्टिंग, बजट) के लिए प्रसिद्ध, जो एक मुख्य कार्यकारी के सार्वभौमिक कार्य हैं।
     - **हेनरी फेयोल (फ्रांसीसी उद्योगपति, "जनरल एंड इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट," 1916):** प्रबंधन के 14 सार्वभौमिक सिद्धांत प्रस्तावित किए (उदाहरण: कमांड की एकता, स्केलर चेन, कार्य का विभाजन)।

- **फ्रेडरिक डब्ल्यू. टेलर (अमेरिकी इंजीनियर, "वैज्ञानिक प्रबंधन के सिद्धांत," 1911):** कार्यस्थल पर दक्षता, समय और गति अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया, "एक सबसे अच्छा तरीका।" दक्षता के लिए सार्वजनिक एजेंसियों पर लागू किया गया (उदाहरण शहर प्रबंधन)।
- **मैक्स वेबर (जर्मन समाजशास्त्री, "नौकरशाही" अवधारणा):** आदर्श प्रकार की नौकरशाही को कानूनी-तर्कसंगत अधिकार, पदानुक्रम, नियम, अवैयक्तिकता और विशेषज्ञता के आधार पर संगठन का सबसे तर्कसंगत और कुशल रूप बताया।

- **लक्ष्य:** इन खोज योग्य सिद्धांतों के आधार पर पीए को एक पूर्ण विज्ञान बनाना।
- **विशेषताएँ:** औपचारिक, निर्देशात्मक, सार्वभौमिक, मूल्य-तटस्थ।

3. **प्रतिमान III: सिद्धांतों को चुनौती / मानव संबंध और व्यवहारवाद (1938-1950)**

- **मुख्य विचार:** सार्वभौमिक सिद्धांतों के खिलाफ़ कड़ी प्रतिक्रिया, यह तर्क देते हुए कि वे महज़ "कहावतें" हैं जिनमें अनुभवजन्य वैधता का अभाव है। संगठनों के भीतर मानवीय व्यवहार और निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **प्रमुख प्रस्तावक/विकास:**

- **हर्बर्ट ए. साइमन ("प्रशासनिक व्यवहार: प्रशासनिक संगठन में निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का एक अध्ययन," 1947):** "सिद्धांतों" की आलोचना विरोधाभासी के रूप में की। "तार्किक प्रत्यक्षवादी" दृष्टिकोण की वकालत की - अवलोकनीय व्यवहार और निर्णय लेने का अनुभवजन्य रूप से अध्ययन करना। "सीमित तर्कसंगतता" और "संतोषजनक" की शुरुआत की। प्रशासनिक अध्ययनों में तथ्य (अनुभवजन्य, अवलोकनीय) को मूल्य (मानक, व्यक्तिपरक) से स्पष्ट रूप से अलग करने के लिए तर्क दिया।
- **चेस्टर आई. बर्नार्ड ("कार्यकारी के कार्य," 1938):** अनौपचारिक संगठन, सहयोग, संचार और "प्राधिकरण के स्वीकृति सिद्धांत" पर जोर दिया (प्राधिकरण केवल तभी मौजूद होता है जब अधीनस्थों द्वारा स्वीकार किया जाता है)।
- **रॉबर्ट डाहल ("लोक प्रशासन का विज्ञान: तीन समस्याएं," 1947):** तीन समस्याओं के कारण लोक प्रशासन के सार्वभौमिक विज्ञान की संभावना के विरुद्ध तर्क दिया: तथ्यों को मूल्यों से अलग करने में कठिनाई, मानव व्यक्तित्व का प्रभाव, तथा सामाजिक परिवेश/सांस्कृतिक संदर्भ का प्रभाव।
- **हॉथोर्न अध्ययन (एल्टन मेयो और उनके सहयोगी, 1927-1932):** ने प्रदर्शित किया कि सामाजिक और

मनोवैज्ञानिक कारक (उदाहरण के लिए समूह मानदंड, मान्यता, पर्यवेक्षकों का ध्यान) न केवल शारीरिक स्थिति या वित्तीय प्रोत्साहन बल्कि श्रमिक उत्पादकता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। मानव संबंध आंदोलन की शुरुआत को चिह्नित किया।

- **प्रभाव:** पीए को विशुद्ध रूप से निर्देशात्मक दृष्टिकोण से हटाकर अनुभवजन्य, व्यवहारिक विज्ञान की ओर ले गया। पीए के लिए "पहचान संकट" पैदा हो गया क्योंकि यह राजनीति विज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों के करीब चला गया।

4. **प्रतिमान IV: पहचान संकट / द्वंद्व का पतन / राजनीति विज्ञान के साथ पुनः एकीकरण (1950-1970)**

- **मुख्य विचार:** पीए को अपनी अलग पहचान बनाने में संघर्ष करना पड़ा। सिद्धांतों पर हमले, नीति और राजनीतिक संदर्भ पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ, कई लोगों ने पीए को राजनीति विज्ञान के एक उप-क्षेत्र के रूप में देखा।
- **प्रमुख घटनाक्रम:**
  - **ड्वाइट वाल्डो ("द एडमिनिस्ट्रेटिव स्टेट," 1948):** मूल्य-तटस्थता के दावों की आलोचना की और प्रशासन के नैतिक और राजनीतिक आयामों पर जोर दिया। तर्क दिया कि पीए व्यापक राजनीतिक व्यवस्था से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है।
  - इस अवधि के दौरान कई पीए विभागों का पुनः राजनीति

विज्ञान विभागों में विलय हो गया।

- **"पहचान का संकट":** ऐसा देखा गया कि पीए ने अपनी अद्वितीय सैद्धांतिक और पद्धतिगत नींव खो दी है।

5. **प्रतिमान V: सार्वजनिक नीति दृष्टिकोण / नया सार्वजनिक प्रशासन (NPA) / सार्वजनिक विकल्प (1970-वर्तमान)**
   - **मुख्य विचार:** पीए ने सार्वजनिक नीति, प्रासंगिकता और व्यापक सामाजिक संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करते हुए फिर से उभरना शुरू किया। अब केवल आंतरिक संगठनात्मक दक्षता से संबंधित नहीं बल्कि सामाजिक परिणामों से संबंधित है।
   - **नया लोक प्रशासन (एनपीए):**
     - **उत्पत्ति:** मिनोब्रुक सम्मेलन I (1968), ड्वाइट वाल्डो द्वारा आयोजित।
     - **आलोचना:** पारंपरिक पीए को अत्यधिक रूढ़िवादी, मूल्य-तटस्थ, तकनीकीवादी और सामाजिक समस्याओं (जैसे गरीबी, नस्लीय असमानता, शहरी पतन) के प्रति अप्रासंगिक माना जाता था।
     - **प्रमुख मूल्य/विषय (फ्रेडरिक्सन के 4 स्तंभ):**
       1. **प्रासंगिकता:** समकालीन सामाजिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करें।
       2. **मूल्य:** प्रशासनिक निर्णयों में मूल्यों (विशेष रूप से

सामाजिक समानता) की स्पष्ट मान्यता और एकीकरण। अब मूल्य-तटस्थ नहीं।

3. **सामाजिक समानता:** निष्पक्ष व्यवहार, अवसर की समानता, तथा सार्वजनिक सेवाओं का न्यायसंगत वितरण। "सेवा से वंचितों की सेवा" करने का आह्वान।
4. **परिवर्तन:** पी.ए. को सामाजिक परिवर्तन का एजेंट होना चाहिए, न कि केवल यथास्थिति बनाए रखना चाहिए।

- **विशेषताएँ:** ग्राहक-केन्द्रित, मानवतावादी, सहभागी, पदानुक्रम-विरोधी, परिवर्तन-समर्थक।
- **प्रभाव:** पीए को अधिक उत्तरदायी और नैतिक बनाने के लिए बाद के सुधारों को प्रभावित किया।

- **सार्वजनिक विकल्प सिद्धांत (1970 का दशक):**
  - **उत्पत्ति:** अर्थशास्त्रियों (नोबेल पुरस्कार विजेता जेम्स एम. बुकानन, गॉर्डन टुलॉक) और राजनीतिक वैज्ञानिकों (विन्सेन्ट ओस्ट्रोम) द्वारा विकसित।
  - **मुख्य विचार:** तर्कसंगत विकल्प और स्व-हित के आर्थिक मॉडल को सार्वजनिक क्षेत्र में लागू करता है। यह मानता है कि नौकरशाह, राजनेता और नागरिक अपनी उपयोगिता को अधिकतम करने के लिए कार्य करते हैं।
  - **पारंपरिक नौकरशाही की आलोचना:** तर्क दिया गया कि

एकाधिकार (सरकारी एजेंसियां) स्वाभाविक रूप से अक्षम हैं क्योंकि उनमें प्रतिस्पर्धा की कमी है। नौकरशाह अपने बजट को अधिकतम करने की कोशिश करेंगे।

- **प्रस्तावित समाधान:** प्रतिस्पर्धा, बाजार तंत्र, विकेन्द्रीकरण, निजीकरण, सेवा वितरण में नागरिक विकल्प।
- **प्रभाव:** कई नए सार्वजनिक प्रबंधन सुधारों के लिए बौद्धिक औचित्य प्रदान किया गया।

- **नवीन सार्वजनिक प्रबंधन (एनपीएम) (1980-1990 के दशक):**
  - **उत्पत्ति:** ब्रिटेन में थैचरवाद और अमेरिका में रीगनॉमिक्स तथा सार्वजनिक विकल्प सिद्धांत से प्रभावित।
  - **मुख्य विचार:** दक्षता, प्रभावशीलता और मितव्ययिता में सुधार के लिए निजी क्षेत्र की प्रबंधन तकनीकों और बाजार सिद्धांतों को सार्वजनिक क्षेत्र में लाना ("3 ई")।
  - **मुख्य विशेषताएं (हुड के 7 सिद्धांत):**
    1. व्यावहारिक व्यावसायिक प्रबंधन.
    2. प्रदर्शन के स्पष्ट मानक और माप.
    3. 2 नियंत्रण पर अधिक जोर .
    4. इकाइयों का वियोजन 3 (बड़ी नौकरशाही को तोड़ना)।
    5. अधिक प्रतिस्पर्धा (उदाहरण: आउटसोर्सिंग, आंतरिक

बाजार)।

6. प्रबंधन अभ्यास की निजी क्षेत्र की शैलियाँ।
7. संसाधनों के उपयोग में अधिक अनुशासन एवं मितव्ययिता।

- **नारा:** "स्टीयरिंग, नॉट रोइंग" (ओसबोर्न और गेबलर, "रीइनवेंटिंग गवर्नमेंट," 1992)। सरकार को दिशा निर्धारित करनी चाहिए, लेकिन जरूरी नहीं कि वह सभी सेवाएं सीधे प्रदान करे।
- **प्रभाव:** वैश्विक स्तर पर व्यापक प्रशासनिक सुधार (निजीकरण, ठेकाकरण, प्रदर्शन प्रबंधन, बाजारीकरण) हुए।
- **आलोचना:** समानता, जवाबदेही, सार्वजनिक मूल्यों की कीमत पर दक्षता पर अत्यधिक जोर; राज्य को "खोखला करना", खंडित सेवाएं बनाना; "ग्राहक" बनाम "नागरिक"।

- **सुशासन (1990 के दशक के बाद):**
  - **उत्पत्ति:** विश्व बैंक, यूएनडीपी, आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा लोकप्रिय।
  - **मूल विचार:** एनपीएम से अधिक व्यापक, न केवल दक्षता पर बल देना, बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और प्रशासनिक प्राधिकार के वैध और प्रभावी प्रयोग के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों पर भी जोर देना।
  - **मुख्य विशेषताएँ (विश्व बैंक):** सहभागी, पारदर्शी, जवाबदेह,

प्रभावी, कुशल, न्यायसंगत, कानून के शासन का पालन करता है। इसमें राज्य, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र शामिल हैं।

- **प्रभाव:** लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, भ्रष्टाचार विरोधी उपायों, विकेन्द्रीकरण, नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुधारों को बढ़ावा दिया गया।

- **नई सार्वजनिक सेवा (एनपीएस) (2000 के बाद से):**
  - **उत्पत्ति:** एन.पी.एम. की प्रतिक्रिया और आलोचना, विशेष रूप से डेनहार्ट एंड डेनहार्ट की "द न्यू पब्लिक सर्विस: सर्विंग, नॉट स्टीयरिंग" (2003)।
  - **मुख्य विचार:** एनपीएम के "ग्राहक" मॉडल को अस्वीकार करता है और "सार्वजनिक हित" की सेवा करने वाले "नागरिक" के रूप में लोक सेवक की भूमिका पर फिर से जोर देता है। लोकतांत्रिक मूल्यों, समानता और भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - **प्रमुख सिद्धांत:**
    - नागरिकों की सेवा करें, ग्राहकों की नहीं।
    - सार्वजनिक हित का ध्यान रखें।
    - उद्यमशीलता की अपेक्षा नागरिकता को अधिक महत्व दें।
    - रणनीतिक ढंग से सोचें, लोकतांत्रिक ढंग से कार्य करें।
    - यह समझें कि जवाबदेही आसान नहीं है।
    - चलाने के बजाय सेवा करें।

- केवल उत्पादकता को ही नहीं, बल्कि लोगों को भी महत्व दें।

5

- **प्रभाव:** सार्वजनिक मूल्यों, नैतिकता और सार्वजनिक सेवा की अद्वितीय प्रकृति पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया।

- **डिजिटल गवर्नेंस/ई-गवर्नेंस (वर्तमान):**
  - **मुख्य विचार:** सरकारी दक्षता, प्रभावशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार लाने तथा नागरिक भागीदारी बढ़ाने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) का उपयोग।
  - **चरण:** ई-प्रशासन (आंतरिक दक्षता), ई-सेवा (सेवा वितरण), ई-लोकतंत्र (नागरिक सहभागिता)।
  - **उदाहरण:** ऑनलाइन सार्वजनिक सेवाएं, डिजिटल पहचान, ऑनलाइन शिकायत निवारण, खुला डेटा पोर्टल।
  - **प्रभाव:** सेवा वितरण में क्रांतिकारी बदलाव, पारदर्शिता में वृद्धि, लेकिन साथ ही डिजिटल विभाजन, साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के मुद्दे भी उठेंगे।

- **वर्तमान स्थिति:** पीए एक बहुविषयक क्षेत्र है, जिसकी विशेषता निरंतर बहस और विकसित होते प्रतिमान हैं। यह दक्षता को समानता, प्रभावशीलता को जवाबदेही और प्रबंधकीय सिद्धांतों को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संतुलित करने का प्रयास करता है। यह तेजी से वैश्वीकृत हो रहा है और तकनीकी प्रगति से प्रभावित है।

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

UGC NET / JRF / A. Professor / CUET

हिंदी English माध्यम उपलब्ध

Paper 1 & All Subject Available

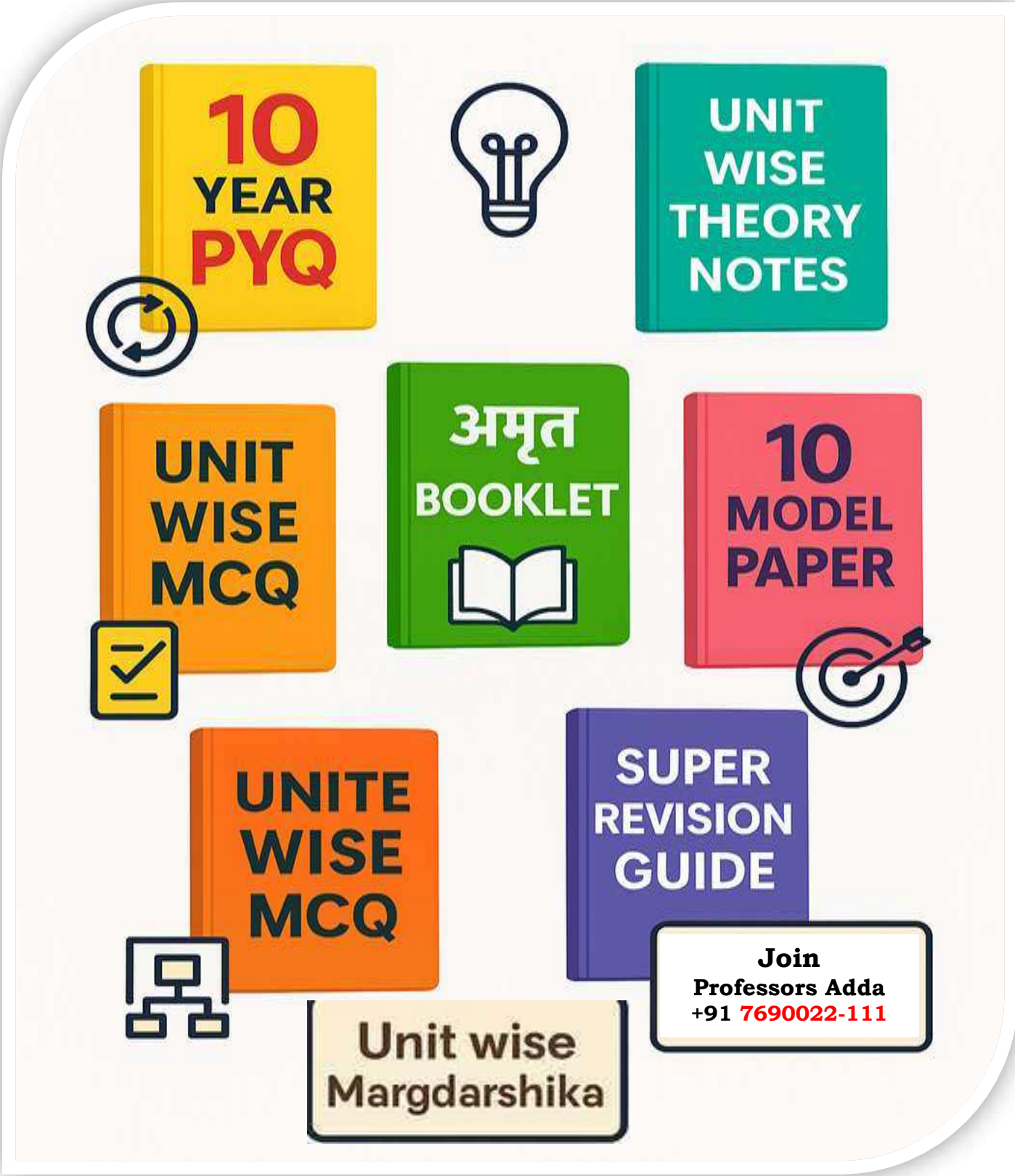

All Subject's Complete Study Material KIT available. Professor Adda

Call WhatsApp Now +91 7690022111 / 9216228788

PROFESSORS ADDA

UGC NET / JRF / A. Professor / CUET

हिंदी English माध्यम उपलब्ध

Paper 1 & All Subject Available

POLITICAL SCIENCE
SOCIOLOGY
PHILOSOPHY
PUBLIC ADMINISTRATION
PHYSICAL EDUCATION
English
हिन्दी
COMMERCE
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
EDUCATION
संस्कृत
HOME SCIENCE
SOCIAL WORK
YOGA
COMPUTER SCIENCE
MANAGEMENT
OTAL
EDUCATION
HOME SCIENCE
OTHER ALL
COMPUTER SCIENCE
MANAGEMENT

All Subject's Complete Study Material KIT available. Professor Adda
Call WhatsApp Now +91 7690022111 / 9216228788

1.3. राजनीति-प्रशासन द्वंद्व

- **उत्पत्ति:**
  - **वुडरो विल्सन का "द स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन" (1887):** विल्सन ने लूट प्रणाली के भ्रष्टाचार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तर्क दिया कि प्रशासन "राजनीति के उचित क्षेत्र से बाहर है।" उन्होंने इसकी तुलना एक मशीन से की: राजनेता (इंजीनियर) मशीन (कानून) को डिजाइन करते हैं, जबकि प्रशासक (यांत्रिकी) केवल इसे कुशलतापूर्वक संचालित करते हैं। उनका उद्देश्य पीए को एक पेशेवर, वैज्ञानिक क्षेत्र बनाना था।
  - **फ्रैंक जे. गुडनॉ की "राजनीति और प्रशासन" (1900):** एक अधिक व्यवस्थित सैद्धांतिक सूत्रीकरण प्रदान किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से अलग किया:

- **राजनीति:** राज्य की इच्छा की अभिव्यक्ति (नीति निर्माण) से संबंधित है।
- **प्रशासन:** उस इच्छा के क्रियान्वयन (नीति कार्यान्वयन) से संबंधित है।

- **उद्देश्य/तर्क:**
  - **दक्षता:** पक्षपातपूर्ण राजनीतिक हस्तक्षेप से बचाकर तथा तकनीकी विशेषज्ञता पर ध्यान केंद्रित करके लोक प्रशासन को अधिक कुशल बनाना।
  - **जवाबदेही:** नीति को कार्यान्वयन से अलग करके, राजनेताओं और प्रशासकों दोनों को उनकी संबंधित भूमिकाओं के लिए अधिक स्पष्ट रूप से जवाबदेह बनाने का विचार किया गया।
  - **व्यावसायिकीकरण:** राजनीतिक संरक्षण के बजाय योग्यता के आधार पर व्यावसायिक सिविल सेवा विकसित करना।
  - **तटस्थता:** यह सुनिश्चित करना कि सिविल सेवक किसी भी सरकार की निष्पक्षता से सेवा करें।
- **शास्त्रीय समर्थक:** विल्सन, गुडनाउ, "सिद्धांत स्कूल" के प्रारंभिक समर्थक (गुलिक, उर्विक)।
- **आलोचनाएँ और अस्वीकृतियाँ (1930 के बाद):**
  - **हर्बर्ट साइमन ("प्रशासनिक व्यवहार," 1947):** तर्क दिया कि प्रशासनिक निर्णयों में "तथ्य" और "मूल्य" अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं।

प्रशासक कार्यान्वयन की प्रक्रिया में लगातार मूल्य-भारित विकल्प (विवेक) बनाते हैं। यह द्वंद्व एक "मिथक" है।

- **ड्वाइट वाल्डो ("द एडमिनिस्ट्रेटिव स्टेट," 1948):** इस बात पर जोर दिया कि प्रशासन स्वाभाविक रूप से राजनीतिक है, जिसमें शक्ति, मूल्य और नैतिक विचार शामिल हैं। प्रशासक मूल्य-तटस्थ साधन नहीं हैं; वे नीति को आकार देने में भूमिका निभाते हैं।
- **जॉन एम. गॉस ("लोक प्रशासन पर विचार," 1947):** तर्क दिया कि प्रशासन एक "राजनीतिक सेटिंग" के भीतर संचालित होता है और विभिन्न पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित होता है।
- **नीति-प्रशासन सातत्य:** आधुनिक विद्वानों का तर्क है कि नीति निर्माण और कार्यान्वयन अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक सातत्य हैं। प्रशासक नीति परिशोधन के लिए महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं, अस्पष्ट कानूनों की व्याख्या करते हैं, और महत्वपूर्ण विवेक का प्रयोग करते हैं।
- **विवेक की वास्तविकता:** कानून अक्सर व्यापक रूप से बनाए जाते हैं, जिसके लिए प्रशासकों को विवरण भरने और नागरिकों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने वाले विकल्प चुनने की आवश्यकता होती है। इसमें जमीनी स्तर पर नीति-निर्माण शामिल है।
- **नीति परामर्श में भूमिका:** सिविल सेवक अक्सर मंत्रियों और राजनेताओं को सलाह देते हैं तथा नीति निर्माण में अपनी विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग करते हैं।

- **आज प्रासंगिकता:** जबकि सख्त द्वंद्व को वर्णनात्मक वास्तविकता के रूप में काफी हद तक बदनाम किया गया है, यह कुछ संदर्भों में एक **आदर्श आदर्श बना हुआ है, विशेष रूप से सिविल सेवा तटस्थता** की अपेक्षा और अनुचित राजनीतिक हस्तक्षेप से नियमित प्रशासन के अलगाव के संबंध में। राजनीतिक नियंत्रण और प्रशासनिक स्वायत्तता के बीच तनाव लोकतांत्रिक शासन की एक चिरस्थायी विशेषता है।

1.4. वैश्वीकरण और लोक प्रशासन

- **वैश्वीकरण की परिभाषा:** एक बहुआयामी प्रक्रिया जिसमें विश्वव्यापी सामाजिक संबंधों की तीव्रता शामिल है, जो दूर-दराज के इलाकों को इस तरह से जोड़ती है कि स्थानीय घटनाएं कई मील दूर होने वाली घटनाओं से आकार लेती हैं और इसके विपरीत [6] (एंथनी गिडेंस)। इसमें आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी अंतर्संबंध शामिल हैं।

- **लोक प्रशासन पर प्रभाव और निहितार्थ:**

1. **वैश्विक शासन और सुपरनेशनल संस्थाओं का उदय:**
   - **आईओ का प्रभाव:** विश्व बैंक, आईएमएफ, डब्ल्यूटीओ, संयुक्त राष्ट्र, क्षेत्रीय ब्लॉक (ईयू, आसियान) नीतिगत शर्तों (उदाहरण संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम, सुशासन एजेंडा), मानदंडों और मानकों के माध्यम से राष्ट्रीय लोक प्रशासन को तेजी से आकार देते हैं।
   - **वैश्विक नीति क्षेत्र:** राष्ट्रीय पी.ए. अब केवल घरेलू नहीं रह गया है; इसे अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं, संधियों और समझौतों में भी शामिल होना होगा।
2. **अंतरराष्ट्रीय मुद्दे और 'दुष्ट समस्याएं':**
   - जलवायु परिवर्तन, महामारी (उदाहरण: COVID-19), अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और वित्तीय संकट जैसे मुद्दे राष्ट्रीय सीमाओं से परे हैं।
   - अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, राष्ट्रीय सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के अभिनेताओं को शामिल करते हुए सहयोगात्मक, बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसके लिए विशुद्ध रूप से पदानुक्रमित राष्ट्रीय प्रशासन से नेटवर्कयुक्त, बहु-केंद्रित शासन की ओर बदलाव की आवश्यकता है।
3. **आर्थिक अंतरनिर्भरता और बाज़ार दबाव:**

- **उदारीकरण और निजीकरण:** वैश्वीकरण के दबाव (डब्ल्यूटीओ, आईएमएफ के उदाहरण) अक्सर आर्थिक उदारीकरण, विनियमन और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के निजीकरण की ओर ले जाते हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में राज्य की प्रत्यक्ष भूमिका कम हो जाती है।
- **निवेश के लिए प्रतिस्पर्धा:** सरकारें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रशासनिक सुधार होते हैं, जिनका उद्देश्य व्यापार को आसान बनाना, लालफीताशाही को कम करना और दक्षता में सुधार करना है (उदाहरण 'सिंगल विंडो क्लीयरेंस')।
- **राजकोषीय बाधाएं:** वैश्विक वित्तीय बाजार राजकोषीय अनुशासन लागू कर सकते हैं, जिससे सार्वजनिक व्यय और कराधान नीतियां प्रभावित हो सकती हैं।

4. **प्रशासनिक सुधार और सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रसार:**
   - नवीन लोक प्रबंधन (एनपीएम), ई-गवर्नेंस, परिणामोन्मुख प्रबंधन और नागरिक-केंद्रित प्रशासन जैसी अवधारणाएं अक्सर वैश्विक स्तर पर फैल जाती हैं, कभी-कभी "एक ही बात सभी पर लागू होती है" का दृष्टिकोण अपनाया जाता है, जिससे स्थानीय संदर्भों में अनुकूलन में चुनौतियां उत्पन्न होती हैं।
   - विभिन्न देशों में बेंचमार्किंग और समकक्ष शिक्षा।
5. **राज्य संप्रभुता का क्षरण (कुछ हद तक):**
   - राष्ट्रीय नीतिगत स्थान अंतर्राष्ट्रीय समझौतों, व्यापार नियमों और

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के आदेशों से बाधित हो सकता है।

- संप्रभु राज्यों के पारंपरिक वेस्टफेलियाई मॉडल को वैश्विक अंतरनिर्भरता द्वारा चुनौती मिल रही है।

6. **नागरिकों की बदलती अपेक्षाएँ:**
   - वैश्वीकृत मीडिया और सूचना प्रवाह अन्यत्र सार्वजनिक सेवा मानकों के बारे में नागरिकों की जागरूकता बढ़ाते हैं, जिससे घर पर बेहतर, अधिक पारदर्शी और अधिक उत्तरदायी सार्वजनिक सेवाओं की मांग बढ़ जाती है।
   - वैश्विक नागरिक समाज का उदय, राष्ट्रीय सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से जवाबदेही की मांग कर रहा है।
7. **राष्ट्रीय पी.ए. के लिए चुनौतियाँ:**
   - **क्षमता निर्माण:** अंतर्राष्ट्रीय अनुभव, बातचीत कौशल, अंतर-सांस्कृतिक क्षमता वाले प्रशासकों की आवश्यकता।
   - **जवाबदेही अंतराल:** अंतर्राष्ट्रीय निकायों को जवाबदेह बनाना, बहु-स्तरीय शासन संरचनाओं का प्रबंधन करना।
   - **प्रतिभा पलायन:** कुशल पेशेवरों का विकसित देशों की ओर पलायन।
   - **वैश्विक और स्थानीय संतुलन:** स्थानीय आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए और सांस्कृतिक विशिष्टता को संरक्षित करते हुए वैश्विक मानदंडों को लागू करना।
   - **विनियामक सामंजस्य:** घरेलू विनियमों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप

बनाने की आवश्यकता।

- **वैश्वीकरण के प्रति पी.ए. की प्रतिक्रियाएँ:**
  - **पीए का अंतर्राष्ट्रीयकरण:** अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, तुलनात्मक लोक प्रशासन पर अधिक ध्यान।
  - **नेटवर्क शासन:** गैर-राज्य अभिनेताओं, अन्य सरकारों के साथ सहयोग।
  - **वैश्विक मानकों को अपनाना:** आईएसओ मानकों, भ्रष्टाचार विरोधी सम्मेलनों को लागू करना।
  - **ई-गवर्नेंस:** दक्षता और पारदर्शिता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना।
  - **'स्मार्ट गवर्नेंस' पर ध्यान केंद्रित:** अनुकूली, नवीन, तकनीकी रूप से संचालित प्रशासन।

1.5. सरकार से शासन की ओर प्रतिमान बदलाव

- **पारंपरिक दृष्टिकोण: "सरकार"**

- **परिभाषा:** मुख्य रूप से राज्य की औपचारिक संस्थाओं (विधानमंडल, कार्यपालिका, न्यायपालिका) और उनके तंत्र (नौकरशाही) को संदर्भित करता है।
- **विशेषताएँ:**
  - **राज्य-केन्द्रित:** राज्य प्राथमिक, प्रमुख अभिनेता के रूप में।
  - **पदानुक्रमिक:** ऊपर से नीचे तक आदेश और नियंत्रण।
  - **नौकरशाही:** औपचारिक नियमों, प्रक्रियाओं और स्थापित मंत्रालयों/विभागों पर निर्भरता।
  - **संप्रभुता:** राज्य अपने क्षेत्र में अंतिम प्राधिकारी है।
  - **एकाधिकारवादी:** सार्वजनिक सेवाओं का एकमात्र या प्राथमिक प्रदाता के रूप में राज्य।
  - **फोकस:** कानून, नियम, लोक प्रशासन, औपचारिक संरचनाएं।
  - **सादृश्य:** एक जहाज जिसे केवल कप्तान (राज्य) चलाता है।

- **आधुनिक दृष्टिकोण: "शासन"**
  - **परिभाषा:** सरकार से कहीं अधिक व्यापक अवधारणा। यह उन प्रक्रियाओं और संस्थाओं (औपचारिक और अनौपचारिक) को संदर्भित करता है जिनके माध्यम से प्राधिकरण का प्रयोग किया जाता है, सार्वजनिक संसाधनों का प्रबंधन किया जाता है, और सार्वजनिक नीति निर्णय लिए जाते हैं और उन्हें लागू किया जाता है। इसमें कई अभिनेताओं की सहभागिता शामिल होती है।

- **बदलाव की मुख्य विशेषताएं और चालक:**

1. **बहु-अभिनेता/बहु-हितधारक भागीदारी:**
   - **राज्य से परे:** बाजार (निजी क्षेत्र), नागरिक समाज संगठनों (एनजीओ, सामुदायिक समूह, वकालत समूह) और नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करता है।
   - **साझेदारियां:** सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी), सार्वजनिक-नागरिक समाज भागीदारी पर जोर।
   - **चालक:** राज्य की सीमाओं की पहचान (राजकोषीय संकट, जटिल समस्याएं), बाजार विचारधारा (एनपीएम) का उदय, नागरिक समाज की क्षमता में वृद्धि और वकालत, वैश्वीकरण।
2. **नेटवर्क एवं सहयोगात्मक संबंध:**
   - **पदानुक्रम से बदलाव:** विशुद्ध रूप से ऊर्ध्वाधर, पदानुक्रमित नियंत्रण से हटकर, अभिनेताओं के बीच अधिक क्षैतिज, सहयोगात्मक और अन्योन्याश्रित संबंधों की ओर बढ़ना।
   - **"संचालन, न कि संचालन":** सरकार की भूमिका सभी सेवाओं के प्रत्यक्ष प्रावधान के बजाय सुविधा प्रदान करने, समन्वय करने, विनियमित करने और सक्षम बनाने तक सीमित हो जाती है (ओसबोर्न और गैबलर)।
3. **बहुस्तरीय एवं बहुकेन्द्रीय:**
   - **राष्ट्रीय से परे:** शासन विभिन्न स्तरों पर संचालित होता है - स्थानीय, उप-राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक।

- **विकेंद्रीकरण:** स्थानीय निकायों को शक्ति और जिम्मेदारियों का हस्तांतरण।
- **वैश्विक शासन:** अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए तंत्र (उदाहरण संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन, जी7/जी20)।

4. **परिणामों और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करें:**
   - इनपुट और कठोर नियमों पर कम जोर, परिणाम, दक्षता, प्रभावशीलता और सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जवाबदेही पर अधिक जोर।
   - निष्पादन प्रबंधन और मूल्यांकन महत्वपूर्ण हो जाते हैं।
5. **दक्षता से परे मूल्य (सुशासन):**
   - यद्यपि कार्यकुशलता महत्वपूर्ण बनी हुई है, शासन व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकारों, कानून के शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, भागीदारी, समानता और जवाबदेही पर भी जोर देती है।
   - **सुशासन (विश्व बैंक, यूएनडीपी):** इसे अक्सर शासन का आदर्श रूप माना जाता है, जिसमें निम्न भ्रष्टाचार, मजबूत कानून का शासन, कुशल सार्वजनिक सेवाएं, पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक भागीदारी जैसी विशेषताएं शामिल होती हैं।
6. **नागरिकों का सशक्तिकरण:**
   - नागरिकों को निष्क्रिय प्राप्तकर्ता के बजाय सक्रिय भागीदार के

रूप में देखा जाता है। नागरिक चार्टर, सूचना का अधिकार, जन सुनवाई, सेवाओं के सह-उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करें।

7. **बढ़ती जटिलता और अंतरनिर्भरता:**
   - आधुनिक समस्याएं "दुष्ट समस्याएं" हैं, जिनका एकल कलाकार द्वारा सरल समाधान नहीं किया जा सकता।
   - क्षेत्रों और स्तरों के बीच बढ़ती हुई अंतरनिर्भरता।

- **शासन के प्रकार:**
  - **कॉर्पोरेट प्रशासन:** वह प्रणाली जिसके द्वारा कंपनियों को निर्देशित और नियंत्रित किया जाता है।
  - **स्थानीय शासन:** स्थानीय स्तर पर मामलों का प्रबंधन (उदाहरण: भारत में पंचायती राज संस्थाएँ)।
  - **वैश्विक शासन:** राष्ट्रीय सीमाओं के पार साझा समस्याओं और हितों के प्रबंधन के लिए सामूहिक प्रयास।
  - **ई-गवर्नेंस:** सरकारी सेवाएं, सूचना प्रदान करने तथा नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए आईसीटी का उपयोग।
- **पीए के लिए निहितार्थ:** शासन प्रतिमान में लोक प्रशासन के लिए नए कौशल (बातचीत, साझेदारी निर्माण, हितधारक प्रबंधन), लचीलापन, अनुकूलनशीलता और एक मजबूत नैतिक दिशा-निर्देश की आवश्यकता होती है। इसके लिए नियम-बद्ध कार्यान्वयनकर्ता से सुविधाकर्ता और सक्षमकर्ता बनने की आवश्यकता है।

तालिका 1: लोक प्रशासन का अर्थ और प्रकृति

पहलू	विवरण	मुख्य तथ्य
अर्थ	यह सरकारी कार्यों और नीतियों के प्रबंधन और कार्यान्वयन का विज्ञान और कला है।	**पब्लिक** का मतलब जनता से है, और **एडमिनिस्ट्रेशन** का मतलब प्रबंधन से है। यह सरकारी नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करता है।
प्रकृति	यह विज्ञान और कला दोनों है।	**एक विज्ञान के रूप में:** यह सिद्धांतों और नियमों पर आधारित है (उदाहरण के लिए, फ्रेडरिक टेलर, हेनरी फेयोल)। **एक कला के रूप में:** इसमें नेतृत्व, निर्णय लेने और संचार जैसे व्यक्तिगत कौशल

		की आवश्यकता होती है।

तालिका 2: लोक प्रशासन का दायरा और महत्व

पहलू	विवरण	महत्वपूर्ण विचारक
दायरा	POSDCORB (लूथर गुलिक के अनुसार): योजना, संगठन, स्टार्फिंग, निर्देशन, समन्वय, रिपोर्टिंग, बजट । < br > **विषय-वस्तु** (एलडी व्हाइट के अनुसार): यह संगठन, वित्त, कार्मिक, कार्यप्रणाली आदि से संबंधित है।	लूथर गुलिक , एल.डी. व्हाइट, उर्विक , साइमन।
महत्व	- नीतियों को लागू करना। < br > - समाज में सामाजिक-आर्थिक	वुडरो विल्सन (लोक प्रशासन को एक विज्ञान मानते थे)।

	परिवर्तन लाना। < br > - कानून और व्यवस्था बनाए रखना। < br > - सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करना।	

तालिका 3: राजनीति-प्रशासन द्वंद्व

पहलू	विवरण	महत्वपूर्ण विचारक
यह क्या है?	यह विचार कि राजनीति (नीति-निर्माण) और प्रशासन (नीति कार्यान्वयन) अलग-अलग कार्य हैं और इन्हें अलग किया जाना चाहिए।	**प्रस्तावक:** वुडरो विल्सन (अपने 1887 के लेख 'द स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' में)।
आलोचना	यह विरोधाभास अव्यावहारिक है, क्योंकि प्रशासक नीतियों	ड्वाइट वाल्डो, हर्बर्ट साइमन.

	को क्रियान्वित करते समय निर्णय भी लेता है।	

तालिका 4: प्रतिमान परिवर्तन: सरकार से शासन की ओर

पहलू	सरकार	शासन
प्रकृति	- राज्य-केन्द्रित और पदानुक्रमित। < br > - केवल सरकारी एजेंसियां शामिल हैं। < br > - ऊपर से नीचे का दृष्टिकोण।	- सहयोगात्मक और नेटवर्क आधारित। < br > - राज्य, बाजार और नागरिक समाज को शामिल करता है। < br > - बहु-हितधारक दृष्टिकोण।
उद्देश्य	सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करना और नीतियां लागू करना।	सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए हितधारकों के साथ काम करना।

तालिका 5: संगठन के सिद्धांत - कार्य विभाजन और पदानुक्रम

सिद्धांत	विवरण	मुख्य तथ्य
काम का विभाजन	कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए कार्य को छोटे-छोटे, विशिष्ट कार्यों में विभाजित करना।	फेयोल और फ्रेडरिक टेलर जैसे शास्त्रीय विचारकों द्वारा समर्थित ।
पदानुक्रम	एक स्पष्ट आदेश श्रृंखला जहां अधिकार और जिम्मेदारी ऊपर से नीचे की ओर प्रवाहित होती है।	इसे 'स्केलर सिद्धांत' के नाम से भी जाना जाता है। यह शास्त्रीय संगठन सिद्धांत का आधार है।

तालिका 6: संगठन के सिद्धांत - समन्वय और कमान की एकता

सिद्धांत	विवरण	मुख्य तथ्य
समन्वय	एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न विभागों के प्रयासों को एकीकृत और	गुलिक के अनुसार , समन्वय किसी संगठन में सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

	सुसंगत बनाने की प्रक्रिया।	
आदेश की समानता	एक कर्मचारी को केवल एक ही बॉस से आदेश प्राप्त होने चाहिए।	यह फेयोल के 14 सिद्धांतों में से एक है और द्वैध-अधीनता के विपरीत है।

तालिका 7: संगठन के सिद्धांत - नियंत्रण और अधिकार की सीमा

सिद्धांत	विवरण	मुख्य तथ्य
नियंत्रण की अवधि	एक प्रबंधक कितने अधीनस्थों का प्रभावी ढंग से पर्यवेक्षण कर सकता है।	नियंत्रण का दायरा जितना व्यापक होगा, पदानुक्रम उतना ही समतल होगा।
अधिकार, शक्ति और जिम्मेदारी	**अधिकार:** आदेश देने का वैध अधिकार। < br > **शक्ति:** दूसरों को प्रभावित करने की	फेयोल के अनुसार , अधिकार और जिम्मेदारी संतुलित होनी चाहिए।

	क्षमता। < br > **जिम्मेदारी:** सौंपे गए कार्य को करने का दायित्व।	

तालिका 8: संगठन के सिद्धांत - प्रत्यायोजन और केंद्रीकरण

सिद्धांत	विवरण	मुख्य तथ्य
प्रतिनिधि मंडल	वह प्रक्रिया जिसके द्वारा एक वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थ को अधिकार और जिम्मेदारी सौंपता है।	बिना अधिकार के कोई जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए, और बिना जिम्मेदारी के कोई अधिकार नहीं होना चाहिए।
केंद्रीकरण और विकेंद्रीकरण	**केंद्रीकरण:** निर्णय लेने का अधिकार शीर्ष पर केंद्रित होता है। < br > **विकेंद्रीकरण:** निर्णय लेने का अधिकार निचले	विकेंद्रीकरण से नागरिक भागीदारी बढ़ती है।

	स्तरों पर वितरित होता है।	

तालिका 9: संगठन के सिद्धांत - लाइन, स्टाफ और सहायक एजेंसियां

एजेंसी	समारोह	उदाहरण
रेखा	संगठन के प्राथमिक या मुख्य कार्य निष्पादित करता है।	पुलिस विभाग, शिक्षा मंत्रालय।
कर्मचारी	लाइन एजेंसियों को विशेषज्ञ सलाह और सहायता प्रदान करता है ।	विधि विभाग, अनुसंधान विंग।
सहायक	संपूर्ण संगठन को सामान्य सेवाएं प्रदान करता है।	वित्त विभाग, कार्मिक विभाग।

तालिका 10: संगठन के सिद्धांत - नेतृत्व और पर्यवेक्षण

पहलू	विवरण	मुख्य तथ्य
नेतृत्व	एक समूह को एक सामान्य लक्ष्य की ओर प्रेरित और प्रभावित करने की प्रक्रिया।	**औपचारिक नेतृत्व:** किसी पद से आता है। **अनौपचारिक नेतृत्व:** व्यक्तिगत गुणों से आता है।
पर्यवेक्षण	अधीनस्थों के कार्य का दिन-प्रतिदिन मार्गदर्शन और निरीक्षण।	यह पदानुक्रमिक संरचना में एक निम्न-स्तरीय कार्य है, लेकिन संगठनात्मक दक्षता के लिए महत्वपूर्ण है।

Professors Adda

PAID STUDENTS' BENEFITS

- Access to PYQs of the last 1 year

- Entry into Quiz Group + Premium Materials
- 20% Discount on Future Purchases / For Referring a Friend

- Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your *Fee Receipt* or Payment Screenshot for activation.

Call/Whapp 76900-22111, 9216228788

Professors Adda

Unlock Your Gift

Scan QR

Click Here Get Gift

Click Here Get Gift

Call/Wapp +91769002111, 921622-8788

लोक प्रशासन इकाई- 1 MCQs

1.'लोक प्रशासन' शब्द का व्यापक अर्थ है:

A)निजी उद्यमों का प्रबंधन।

B)सार्वजनिक नीतियों के कार्यान्वयन में शामिल गतिविधियाँ।

C)राजनीतिक अभियानों का अध्ययन।

D)राज्य गठन का ऐतिहासिक विश्लेषण।

उत्तर: B

2. कथन I: वुडरो विल्सन के निबंध "द स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन" ने राजनीति और प्रशासन के बीच स्पष्ट अंतर की वकालत की।

कथन II: इस भेद का उद्देश्य लोक प्रशासन को अधिक कुशल और व्यवसाय-सम्मत बनाना था।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: A

3. निम्नलिखित में से कौन सा संगठन का एक मूलभूत सिद्धांत है जिस पर शास्त्रीय प्रशासनिक विचार में जोर दिया गया है?

A)कार्बनिक संरचना

B)पदानुक्रम

C)फ्लैट रिपोर्टिंग लाइनें

D)अनौपचारिक समूह

उत्तर: B

4. अभिकथन (A): वैश्वीकरण ने लोक प्रशासन की जटिलता को बढ़ा दिया है।

कारण (R): इससे अंतरराष्ट्रीय चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं जिनके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और घरेलू नीतियों के अनुकूलन की आवश्यकता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A गलत है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

5. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (संकल्पना)	सूची II (संबद्ध अर्थ)
A)राजनीति-प्रशासन द्वंद्व	1) नीति-निर्माण और क्रियान्वयन का पृथक्करण
B)शासन	2) समाज का बहु-अभिनेता संचालन
C)प्रतिनिधिमंडल	3) अधिकार का हस्तांतरण
D)सिविल सेवा तटस्थता	4) प्रशासकों की राजनीतिक निष्पक्षता

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

6. लोक प्रशासन का 'क्षेत्र' से तात्पर्य है:

A)केवल प्रशासन का अकादमिक अध्ययन।

B)सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा निष्पादित गतिविधियों और कार्यों की श्रेणी।

C)सरकारों का ऐतिहासिक विकास।

D)लोकतंत्र के दार्शनिक आधार।

उत्तर: B

7. कथन I: फ्रेडरिक विंसलो टेलर वैज्ञानिक प्रबंधन आंदोलन से जुड़े हैं।

कथन II: वैज्ञानिक प्रबंधन समय और गति अध्ययन के माध्यम से दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित है।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: A

8. लोक प्रशासन में 'विकेंद्रीकरण' का निम्नलिखित में से कौन सा लाभ है?

A)सभी क्षेत्रों में नीतियों में अधिक एकरूपता।

B)प्रशासनिक लागत में कमी.

C)स्थानीय आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि।

D)उन्नत केंद्रीय नियंत्रण.

उत्तर: C

9. अभिकथन (A): कार्मिक प्रशासन को लोक प्रशासन की एक महत्वपूर्ण शाखा माना जाता है।

कारण (R): यह मानवीय तत्व से संबंधित है, जो किसी भी संगठन के प्रभावी कामकाज के लिए महत्वपूर्ण है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

10. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (संगठन का सिद्धांत)	सूची II (संबंधित अवधारणा)
A)कमान की एकता	1) अधीनस्थ को एक बॉस से

	आदेश मिलते हैं
B)नियंत्रण की सीमा	2) अधीनस्थों की संख्या जिन्हें एक वरिष्ठ प्रबंधित कर सकता है
C)समन्वय	3) विविध गतिविधियों का एकीकरण
D)कार्य विभाजन	4) कार्यों का विशेषज्ञताकरण

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

11. कार्मिक प्रशासन में 'भर्ती' से तात्पर्य किस प्रक्रिया से है:

A)किसी नौकरी के लिए सर्वोत्तम उम्मीदवार का चयन करना।

B)पदों के लिए आवेदन करने हेतु योग्य व्यक्तियों को आकर्षित करना।

C)मौजूदा कर्मचारियों को पदोन्नत करना।

D)रोजगार अनुबंध समाप्त करना।

उत्तर: B

PROFESSORS ADDA 2025
One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

12. कथन I: लोक प्रशासन की 'वर्तमान स्थिति' इसकी अंतःविषय प्रकृति को मान्यता देती है।

कथन II: यह राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करता है।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: A

BENEFITS

✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

13. निम्नलिखित में से कौन सी 'केन्द्रीकरण' की विशेषता है?

A)निचले स्तर के प्रबंधकों को सशक्त बनाना।

B)मुख्य रूप से शीर्ष प्रबंधन द्वारा लिए गए निर्णय।

C)लचीली संगठनात्मक संरचना.

D)सम्पूर्ण पदानुक्रम में तीव्र संचार प्रवाह।

उत्तर: B

14. अभिकथन (A): प्रभावी संगठनात्मक कार्यप्रणाली के लिए 'संचार' महत्वपूर्ण है।

कारण (R): यह सुनिश्चित करता है कि निर्देश, सूचना और फीडबैक सुचारू रूप से प्रवाहित हों, जिससे समन्वित कार्रवाई संभव हो सके।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

15. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (एजेंसी का प्रकार)	सूची II (प्राथमिक कार्य)
A)लाइन एजेंसी	1) प्रत्यक्ष सेवा वितरण/मुख्य परिचालन
B)स्टाफ एजेंसी	2) सलाहकार और विशेष सहायता
C)सहायक एजेंसी	3) सामान्य सेवाएँ (जैसे, रखरखाव)
D)कमांड एजेंसी	4) (इस वर्गीकरण के लिए मानक प्रशासनिक शब्द नहीं है)

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

16. लोक प्रशासन में 'जवाबदेही' की अवधारणा के अनुसार प्रशासकों को अपने कार्यों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए:

A)केवल स्वयं।

B)राजनीतिक स्वामी और जनता।

C) केवल तत्काल वरिष्ठ अधिकारी।

D)विदेशी सरकारें.

उत्तर: B

17. कथन I: सिविल सेवा में 'अनुशासन' का उद्देश्य नियमों का पालन सुनिश्चित करना और व्यवस्था बनाए रखना है।

कथन II: इसमें सकारात्मक उपाय (प्रोत्साहन) और नकारात्मक उपाय (दंड) दोनों शामिल हैं।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: A

18. निम्नलिखित में से कौन सा बहुत संकीर्ण 'नियंत्रण क्षेत्र' का नुकसान है?

A)पर्यवेक्षण में कमी.

B)प्रतिनिधिमंडल में वृद्धि.

C)ऊंचे पदानुक्रम का निर्माण और धीमी निर्णय प्रक्रिया।

D)अधिक कर्मचारी स्वायत्तता।

उत्तर: C

19. अभिकथन (A): 'सरकार से शासन की ओर प्रतिमान परिवर्तन' का तात्पर्य सार्वजनिक मामलों के प्रति कम पदानुक्रमित और अधिक नेटवर्कयुक्त दृष्टिकोण से है।

कारण (R): यह राज्य की सीमाओं और समस्या समाधान में गैर-राज्य अभिनेताओं को शामिल करने की आवश्यकता को मान्यता देता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

20. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (विकासात्मक चरण)	सूची II (प्रमुख विचार)

A)1887-1926 (द्विभाजन)	1) राजनीति और प्रशासन अलग-अलग हैं
B)1927-1937 (सिद्धांत)	2) प्रशासन के सार्वभौमिक सिद्धांत मौजूद हैं
C)1938-1947 (सिद्धांतों को चुनौती)	3) सिद्धांतों की सार्वभौमिकता पर संदेह
D)1948-1970 (पहचान संकट)	4) अनुशासन के लिए एक नई पहचान की खोज

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

21. कार्मिक प्रशासन में कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के आधार पर पदों के व्यवस्थित समूहीकरण को क्या कहा जाता है?

A)भर्ती

B)पदोन्नति

C)वर्गीकरण

D)प्रशिक्षण

उत्तर: C

22. कथन I: 'नेतृत्व' में एक सामान्य लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लोगों के एक समूह को प्रभावित करना शामिल है।

कथन II: एक अच्छा नेता हमेशा दबावपूर्ण शक्ति का प्रयोग करता है।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: C

23. लोक प्रशासन की 'प्रकृति' को अक्सर दोनों रूपों में वर्णित किया जाता है:

A) स्थैतिक एवं स्थिर।

B)विशुद्धतः राजनीतिक.

C)एक कला और एक विज्ञान.

D)समाज के लिए अप्रासंगिक.

उत्तर: C

24. अभिकथन (A): 'सिविल सेवा तटस्थता' को उन स्थितियों में चुनौती दी जाती है जहाँ प्रशासकों से 'प्रतिबद्धता' दिखाने की अपेक्षा की जाती है।

कारण (R): 'प्रतिबद्धता' से तात्पर्य सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों के प्रति निष्ठा से है, जिसे पक्षपातपूर्ण माना जा सकता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A गलत है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

25. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (अवधि)	सूची II (संबद्ध विद्वान/विचार)
A)पॉस्डकॉर्ब	1) गुलिक और उर्विक
B)पदानुक्रम	2) मैक्स वेबर
C)नियंत्रण की सीमा	3) वीए ग्रेइकुनस

D)कमान की एकता	4) हेनरी फेयोल

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

26. निम्नलिखित में से कौन कार्मिक प्रशासन में 'भर्ती' की एक विधि है?

A)प्रदर्शन मूल्यांकन

B)प्रशिक्षण सेमिनार

C)प्रतियोगी परीक्षाएँ

D)शिकायत निवारण

उत्तर: सी

27. कथन I: 'वैश्वीकरण' से तात्पर्य आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में देशों की बढ़ती परस्पर संबद्धता से है।

कथन II: इसका घरेलू लोक प्रशासन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: सी

28. राजनीति-प्रशासन द्वैतवाद से शासन पर ध्यान केन्द्रित करने तक लोक प्रशासन का विकास प्रतिबिंबित करता है:

A)इसके दायरे का संकुचित होना।

ख) सार्वजनिक समस्याओं और उनमें शामिल लोगों की बढ़ती जटिलता की पहचान।

C)पारंपरिक नौकरशाही मॉडल की ओर वापसी।

D) अनुशासन की प्रासंगिकता में कमी।

उत्तर: बी

29. अभिकथन (A): 'संचार बाधाएं' संगठनात्मक प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण रूप से बाधा डाल सकती हैं।

कारण (R): गलतफहमी, जानकारी का अभाव या विकृत संदेश समन्वित

कार्रवाई और उचित निर्णय कार्यान्वयन को रोकते हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

30. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (कार्मिक प्रशासन का पहलू)	सूची II (संबंधित गतिविधि)
A)सेवा शर्तें	1) रोजगार शर्तों को नियंत्रित करने वाले नियम
B)अनुशासन	2) व्यवहार मानकों को लागू करना
C)गुमनामी	3) सिविल सेवकों की सार्वजनिक रूप से पहचान न करना
D)प्रतिबद्धता	4) सार्वजनिक कर्तव्य के प्रति समर्पण

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

31. 'जिम्मेदारी' की अवधारणा प्रवाहित होती है:

A)वरिष्ठ से अधीनस्थ तक नीचे की ओर।

B)अधीनस्थ से वरिष्ठ तक ऊपर की ओर।

C)केवल क्षैतिज रूप से.

D) सभी दिशाओं में एक साथ।

उत्तर: B

32. कथन I: 'केंद्रीकरण' संकट की स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की अनुमति देता है।

कथन II: यह आमतौर पर स्थानीय पहल और लचीलेपन को बढ़ावा देता है।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: C

33. निम्नलिखित में से कौन सा 'संगठन का सिद्धांत' है जो अधिकार और जिम्मेदारी के संदर्भ में अधीनस्थ पदों की व्यवस्थित व्यवस्था को बढ़ावा देता है?

A)नियंत्रण की सीमा

B)समन्वय

C)पदानुक्रम

D)संचार

उत्तर: C

34. अभिकथन (A): सिविल सेवा में 'संघवाद' को कर्मचारियों द्वारा अपनी चिंताओं को आवाज देने के एक तंत्र के रूप में देखा जा सकता है।

कारण (R): यह सेवा शर्तों, वेतन और कल्याण के मामलों पर सामूहिक सौदेबाजी की अनुमति देता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

35. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (शक्ति का प्रकार)	सूची II (विवरण)
A)वैध शक्ति	1) औपचारिक पद/प्राधिकरण के आधार पर
B)पुरस्कार शक्ति	2) सकारात्मक प्रोत्साहन देने की क्षमता
C)बलपूर्वक शक्ति	3) दण्ड देने की क्षमता
D)विशेषज्ञ शक्ति	4) विशेष ज्ञान/कौशल के आधार पर

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

36. 'पदोन्नति' में शामिल है:

A)नये कर्मचारी की नियुक्ति करना।

B)किसी कर्मचारी को अधिक जिम्मेदारी और वेतन के साथ उच्च पद पर स्थानांतरित करना।

C) किसी कर्मचारी का पद कम करना।

D)कार्यस्थल पर प्रशिक्षण प्रदान करना।

उत्तर: B

37. कथन I: लोक प्रशासन मूलतः सार्वजनिक नीति के 'निष्पादन' के बारे में है।

कथन II: नीति के 'निर्माण' में इसकी कोई भूमिका नहीं है।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: C

38. 'वन बॉस' का सिद्धांत सीधे तौर पर किससे संबंधित है?

A)नियंत्रण की सीमा.

B)प्रतिनिधिमंडल.

C)कमान की एकता.

D)केन्द्रीकरण.

उत्तर: C

39. अभिकथन (A): लोक सेवकों को प्रेरित करने के लिए प्रभावी 'नेतृत्व' महत्वपूर्ण है।

कारण (R): प्रेरक नेतृत्व उद्देश्य और प्रतिबद्धता की भावना को बढ़ावा दे सकता है, जिससे बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण हो सकता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A गलत है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

40. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (लोक प्रशासन के आयाम)	सूची II (प्रारंभिक अधिवक्ता)
A)राजनीति-प्रशासन द्वंद्व	1) फ्रैंक जे. गुडनॉ
B)वैज्ञानिक प्रबंधन	2) फ्रेडरिक विंसलो टेलर
C)नौकरशाही (आदर्श प्रकार)	3) मैक्स वेबर
D)पॉस्डकॉर्ब	4) लूथर गुलिक

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

41. निम्नलिखित में से कौन सा 'कार्य विभाजन' का लाभ है?

A)विशेषज्ञता में कमी.

B)व्यक्तिगत कार्यों के लिए जटिलता में वृद्धि।

C)बढ़ी हुई दक्षता और विशेषज्ञता।

D)समन्वय की आवश्यकता में कमी।

उत्तर: C

42. कथन I: 'शासन की अवधारणा' 'सरकार' से व्यापक है।

कथन II: शासन में नागरिक समाज और निजी क्षेत्र जैसे गैर-राज्य अभिनेता शामिल हैं।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: A

43. 'संचार' एक दो-तरफ़ा प्रक्रिया है जिसमें शामिल हैं:

A)केवल प्रेषक.

B)केवल रिसीवर.

C)प्रेषक, संदेश, चैनल और प्राप्तकर्ता।

D)केवल औपचारिक रिपोर्ट.

उत्तर: C

44. अभिकथन (A): प्रशासन में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए

'सिविल सेवा तटस्थता' आवश्यक है।

कारण (R): यह सुनिश्चित करता है कि लोक सेवक अपनी व्यक्तिगत राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना निष्पक्ष रूप से सरकार की सेवा करें।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

45. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (वैश्वीकरण प्रभाव के पहलू)	सूची II (लोक प्रशासन के लिए निहितार्थ)
A)आर्थिक अंतरनिर्भरता	1) अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग की आवश्यकता
B)सांस्कृतिक आदान-प्रदान	2) विविध सामाजिक अपेक्षाओं का प्रबंधन
C)अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां	3) सहयोगात्मक समस्या समाधान

	(जैसे, जलवायु परिवर्तन)
D)डिजिटलीकरण	4) ई-गवर्नेंस, डेटा प्रबंधन

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

46. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा नौकरी के लिए आवेदक की योग्यता का मूल्यांकन नौकरी की आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है, उसे क्या कहा जाता है:

A)प्रशिक्षण

B)चयन

C)मुआवजा

D)अनुशासन

उत्तर: B

47. कथन I: 'कार्मिक प्रशासन' विशेष रूप से कर्मचारियों की भर्ती से

संबंधित है।

कथन II: इसमें प्रशिक्षण, पदोन्नति और अनुशासन सहित कार्यों की एक व्यापक श्रृंखला शामिल है।

A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।

B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

उत्तर: D

48. निम्नलिखित में से कौन सा संगठन में अत्यधिक 'पदानुक्रम' का दोष है?

A)तीव्र निर्णय-प्रक्रिया।

B)अधिकार की स्पष्ट रेखाएँ।

C)कठोरता, धीमा संचार और विलंबित निर्णय।

D)कर्मचारियों की प्रेरणा में वृद्धि।

उत्तर: C

49. अभिकथन (A): प्रभावी 'निर्णय लेने' के लिए प्रासंगिक और समय पर सूचना तक पहुंच की आवश्यकता होती है।

कारण (R): सूचना के अंतराल से उप-इष्टतम या त्रुटिपूर्ण नीति सामने आ सकते हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A गलत है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A

50. सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (प्रारंभिक PA विद्वान)	सूची II (प्राथमिक फोकस)
A)लियोनार्ड डी. व्हाइट	1) लोक प्रशासन का इतिहास
B)मैरी पार्कर फोलेट	2) मानवीय संबंध, रचनात्मक संघर्ष
C)चेस्टर बर्नार्ड	3) सहयोग, औपचारिक/अनौपचारिक संगठन
D) हर्बर्ट साइमन	4) सीमित तर्कसंगतता, निर्णय लेना

A) A–1, B–2, C–3, D–4

B) A–2, B–1, C–4, D–3

C) A–3, B–4, C–1, D–2

D) A–4, B–3, C–2, D–1

उत्तर: A–1, B–2, C–3, D–4

BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

Topper's Tool Kit 2025

PROFESSORS ADDA

Topper's Tool Kit 2025

🧠 Benefits & Features:

- ✅ **Core Concepts** – हर टॉपिक का सार, आसान भाषा में
- ✅ **Key Thinkers & Theories** – नाम + विचार + साल = सब याद रहेगा
- ✅ **Important Books** – वही किताबें, जो **exams** मे आती **year** सहित
- ✅ **Flow Charts** – हर जटिल टॉपिक को **1** पेज में समझो
- ✅ **Mind Maps** – तेज़ रिविजन के लिए **Visual Recall Hack**

Topper बनने और "Smart Study का असली formula"

🧠क्यों महत्वपूर्ण है

विषय की नींव और आधार होते है विचारक और **concepts.** हर बार जरूर सवाल बनते है **UGC NET exam** से **interview** तक

ALL INDIA RANK

📢 Topper बनना है? Toolkit है जवाब!

📦 Format: Digital PDF + Optional Print
📅 Latest Update: May 2025 तक

🚀 टॉपर्स इस पर भरोसा क्यों करते हैं?

- **No Guesswork** – सिर्फ **Exam-Oriented** कंटेंट
- **Visual Learning** = तेज़ **Revision**
- टाइम बचे, स्कोर बढ़े
- घर बैठे **Smart Preparation**

PROFESSORS ADDA

📦 Available in Digital PDF + Print Format

📤 Book Now | DM | WhatsApp | Download from the link

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

लोक प्रशासन टॉपर टूल किट सुपर रिवीजन

विचारक 1: कौटिल्य (लगभग 375-283 ईसा पूर्व)

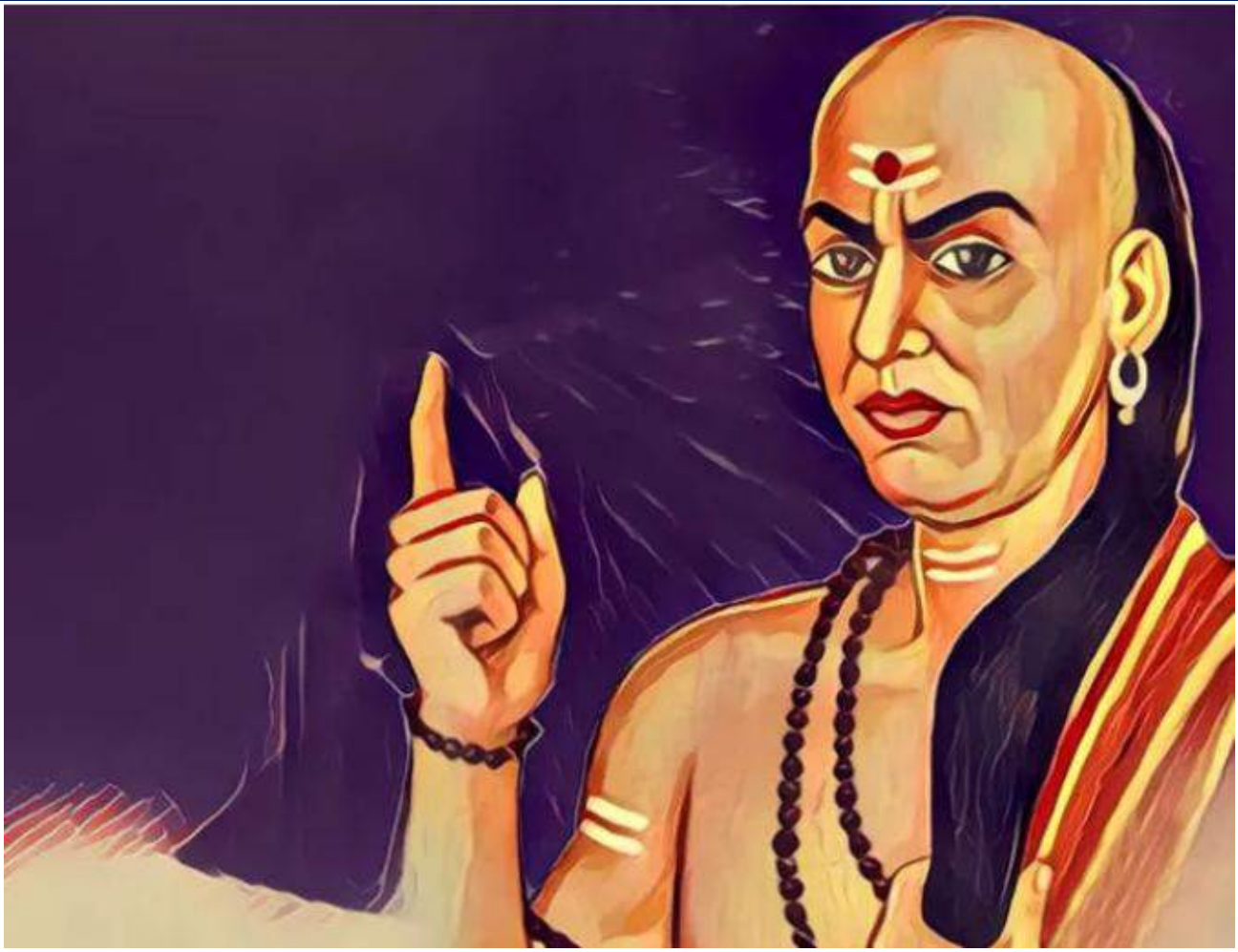

1. **परिचय** :

कौटिल्य , जिन्हें चाणक्य के नाम से भी जाना जाता है , एक प्राचीन भारतीय दार्शनिक, अर्थशास्त्री और शाही सलाहकार थे। 1 उनका ग्रंथ, अर्थशास्त्र , शासन कला, आर्थिक नीति और सैन्य रणनीति का एक

आधारभूत ग्रंथ है, जो प्राचीन भारत में शासन और प्रशासन के लिए एक व्यापक मार्गदर्शन प्रदान करता है। 222

2. **प्रमुख योगदान:**
   - **व्यापक शासन कला:** उन्होंने साम्राज्य चलाने के लिए एक विस्तृत खाका प्रस्तुत किया, जिसमें कानून, वित्त, विदेश नीति, रक्षा और नैतिकता जैसे पहलुओं को शामिल किया गया।
   - **न्याय और कानून पर जोर:** कौटिल्य ने न्यायालयों के स्पष्ट पदानुक्रम के साथ एक परिष्कृत कानूनी प्रणाली का विवरण दिया और राजा के लिए *धर्म (धार्मिक कर्तव्य)* के महत्व पर बल दिया ।
   - **जासूसी और खुफिया:** वे राज्य सुरक्षा के लिए एक सुव्यवस्थित खुफिया और जासूसी नेटवर्क के महत्व को व्यवस्थित रूप से रेखांकित करने वाले पहले विचारकों में से एक थे।
3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **सप्तांग सिद्धांत (राज्य के सात अंग):** कौटिल्य ने राज्य को एक जीवित जीव के रूप में वर्णित किया है जिसके सात आवश्यक अंग हैं: *स्वामी* (राजा), *अमात्य* (मंत्री), *जनपद* (क्षेत्र और लोग), *दुर्ग* (किला), *कोष* (कोष), *दंड* (सेना/आक्रामक शक्ति) और *मित्र* (सहयोगी)।
   - **मंडल सिद्धांत: विदेश नीति का एक सिद्धांत जिसमें एक राजा जो अपने क्षेत्र का विस्तार करना चाहता है, वह राज्यों के एक चक्र (** *मंडल*) के केंद्र में होता है । यह पड़ोसी राज्यों को दुश्मन और उनके बगल के राज्यों को मित्र के रूप में वर्गीकृत करता है।
   - **मत्स्यन्याय (मछली का कानून):** यह अवधारणा अराजकता की स्थिति का वर्णन करती है जहाँ बड़ी मछली छोटी मछली का शिकार करती है। कौटिल्य ने तर्क दिया कि इस अराजकता को रोकने और

व्यवस्था स्थापित करने के लिए एक मजबूत राजशाही सरकार आवश्यक है।

4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *अर्थशास्त्र* (रचना की तिथि भिन्न-भिन्न है, अनुमानतः चौथी शताब्दी ई.पू. और तीसरी शताब्दी ई. के बीच)

विचारक 2: प्लेटो (लगभग 428-348 ईसा पूर्व)

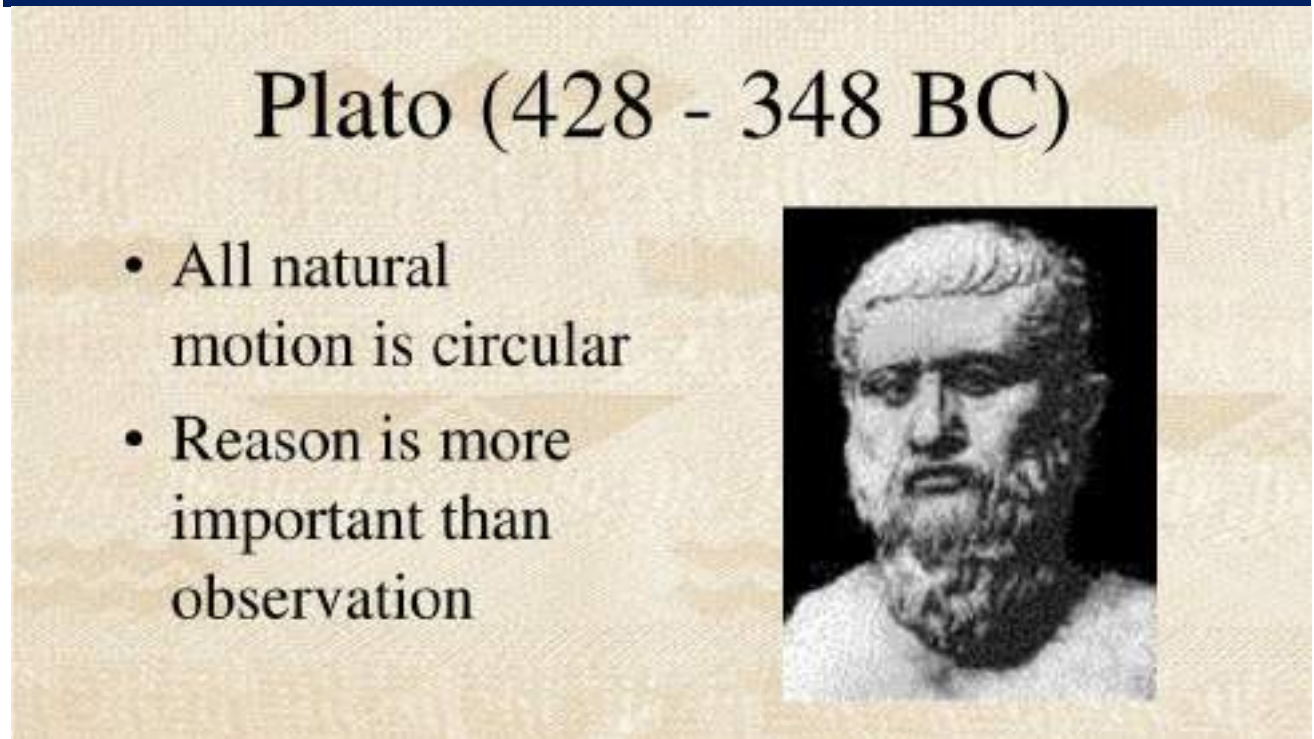

1. **परिचय :**

प्लेटो एक प्राचीन यूनानी दार्शनिक थे जिन्होंने एथेंस में अकादमी की स्थापना की थी। 3 न्याय, सद्गुण, राजनीति और आदर्श राज्य पर उनके लेखन ने पश्चिमी राजनीतिक विचार और दर्शन को गहराई से प्रभावित किया है, जिसमें सुशासन की अवधारणाएँ भी शामिल हैं। 4

2. **प्रमुख योगदान:**

- **रूपों का सिद्धांत:** तर्क दिया गया कि भौतिक दुनिया 'वास्तविक' दुनिया नहीं है; इसके बजाय, परम वास्तविकता हमारे भौतिक दुनिया से परे रूपों या विचारों के दायरे में मौजूद है।
- **आदर्श राज्य की अवधारणा:** *द रिपब्लिक* में प्लेटो ने दार्शनिक राजाओं द्वारा शासित एक काल्पनिक राज्य की अपनी परिकल्पना को रेखांकित किया, जिनके पास ज्ञान और न्याय के प्रति प्रेम था।
- **पाश्चात्य दर्शन की नींव:** उनके संवादों ने तत्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा से लेकर नैतिकता और राजनीति तक, दार्शनिक अन्वेषण के लगभग हर क्षेत्र के लिए आधार तैयार किया।

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **दार्शनिक-राजा:** प्लेटो का आदर्श शासक, जो लोकप्रिय राय से नहीं बल्कि दार्शनिक ज्ञान और अच्छे के स्वरूप की गहरी समझ के माध्यम से शासन करता है। यह शासक निस्वार्थ, न्यायप्रिय और राज्य के कल्याण के लिए समर्पित होगा।
   - **न्याय एक सामंजस्य के रूप में:** प्लेटो ने राज्य में न्याय को एक ऐसी स्थिति के रूप में परिभाषित किया है, जहां तीनों वर्ग (शासक, सहायक/सैनिक और उत्पादक) दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप किए बिना अपना विशिष्ट कार्य करते हैं।
   - **त्रिपक्षीय आत्मा का सिद्धांत:** उन्होंने प्रस्तावित किया कि मानव आत्मा के तीन भाग हैं: कारण (*लोगोस*), आत्मा (*थिमोस*), और भूख (*इरोस*), जो उनके आदर्श राज्य में तीन वर्गों के अनुरूप हैं।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *गणतंत्र* (लगभग 375 ई.पू.)
   - *कानून* (लगभग 348 ई.पू.)

- *स्टेट्समैन* (लगभग 360 ई.पू.)

विचारक 3: अरस्तू (384-322 ईसा पूर्व)

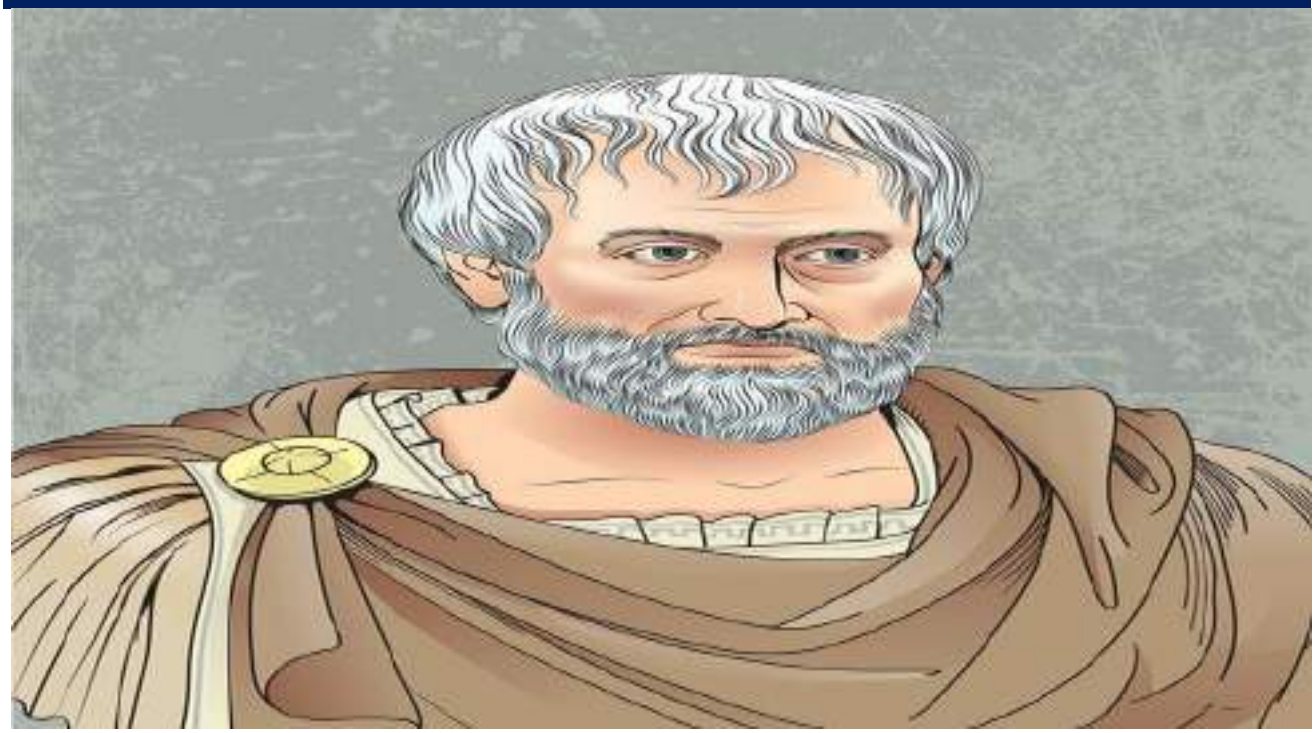

1. **परिचय :**

   प्लेटो के शिष्य अरस्तू एक यूनानी दार्शनिक थे, जिनका काम कई विषयों पर फैला हुआ था। 5 उन्हें सरकारों, संविधानों और राज्य की प्रकृति का अध्ययन करने के लिए उनके व्यवस्थित और अनुभवजन्य दृष्टिकोण के लिए "राजनीति विज्ञान का जनक" माना जाता है, जो शासन के व्यावहारिक और संतुलित स्वरूप की वकालत करते हैं। 6

2. **प्रमुख योगदान:**

   - **संविधानों का तुलनात्मक अध्ययन:** ऐसा कहा जाता है कि अरस्तू और उनके छात्रों ने विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों की कार्यप्रणाली को समझने के लिए 158 यूनानी संविधानों को एकत्रित और विश्लेषित किया था।

- **सरकारों का वर्गीकरण:** उन्होंने सरकारों का एक प्रसिद्ध वर्गीकरण बनाया, जो इस आधार पर था कि कौन शासन करता है (एक, कुछ, या कई) और वे किसके हित में शासन करते हैं (सार्वजनिक हित या स्वार्थी हित)।
- **कानून के शासन पर जोर:** तर्क दिया गया कि कानून का शासन किसी भी व्यक्ति के शासन से श्रेष्ठ है, क्योंकि कानून "इच्छा से अप्रभावित तर्क है।" [7]

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **राजनीति:** अरस्तू के अनुसार व्यावहारिक सरकार का आदर्श स्वरूप, एक "मिश्रित संविधान" जो स्थायित्व सुनिश्चित करने और वर्ग संघर्ष को रोकने के लिए कुलीनतंत्र और लोकतंत्र के तत्वों को संतुलित करता है।
   - **मनुष्य एक "राजनीतिक पशु" (ज़ून पोलिटिकॉन) के रूप में: यह विचार कि मनुष्य स्वाभाविक रूप से सामाजिक प्राणी हैं जो केवल** *पोलिस* या शहर-राज्य के जीवन में भाग लेकर ही अपनी पूरी क्षमता प्राप्त कर सकते हैं और एक अच्छा जीवन जी सकते हैं ।
   - **वितरणात्मक न्याय:** यह अवधारणा कि पुरस्कार और सम्मान नागरिकों के बीच उनकी योग्यता या समुदाय की भलाई में योगदान के अनुसार वितरित किया जाना चाहिए।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *राजनीति* (विभिन्न तिथियाँ प्रस्तावित, लगभग 350 ई.पू.)
   - *निकोमैचेन नैतिकता* (लगभग 340 ई.पू.)
   - *एथेंस का संविधान* (लगभग 350 ई.पू.)

विचारक 4: वुडरो विल्सन (1856-1924)

1. **परिचय** :

   वुडरो विल्सन एक अमेरिकी शिक्षाविद और राजनेता थे, जिन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के 28वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उन्हें "राजनीति-प्रशासन द्वंद्व" की वकालत के लिए लोक प्रशासन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति माना जाता है, जिसने इस अनुशासन के अध्ययन के एक अलग क्षेत्र के रूप में उभरने के लिए बौद्धिक आधार तैयार किया। 8

2. **प्रमुख योगदान:**

   - **राजनीति-प्रशासन द्वंद्व:** इस प्रभावशाली विचार को व्यक्त किया कि राजनीति (राज्य की इच्छा की अभिव्यक्ति) को प्रशासन (उस इच्छा

का क्रियान्वयन) से अलग होना चाहिए।

- **प्रशासन विज्ञान का समर्थन:** उन्होंने लोक प्रशासन को अध्ययन का एक औपचारिक क्षेत्र बनाने का तर्क दिया, तथा सरकारी कार्यकुशलता में सुधार के लिए यूरोपीय राज्यों से प्रभावी और व्यावसायिक तरीके उधार लिए।
- **प्रशासनिक सुधार को बढ़ावा देना:** प्रगतिशील आंदोलन के नेता के रूप में, उन्होंने सरकारी सेवा को पेशेवर बनाने और लूट प्रणाली को जड़ से खत्म करने की वकालत की।

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **राजनीति-प्रशासन द्वंद्व:** मूल अवधारणा यह है कि प्रशासन राजनीति के उचित क्षेत्र से बाहर है। राजनीतिक प्रश्न प्रशासनिक प्रश्न नहीं हैं। जबकि राजनीति प्रशासन के लिए कार्य निर्धारित करती है, उसे अपने कार्यालयों में हेरफेर करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
   - **सरकार का व्यवसाय:** विल्सन ने तर्क दिया कि प्रशासनिक अध्ययन का उद्देश्य कार्यकारी तरीकों को अनुभवजन्य प्रयोग की उलझन और लागत से बचाना है और उन्हें विज्ञान की नींव पर स्थापित करना है, जिससे सरकार अपने उद्देश्यों में व्यवसाय की तरह कम लेकिन अपने तरीकों में व्यवसाय की तरह अधिक बन सके।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *"प्रशासन का अध्ययन" (1887) - राजनीति विज्ञान त्रैमासिक* में प्रकाशित एक निबंध
   - *कांग्रेस सरकार: अमेरिकी राजनीति में एक अध्ययन* (1885)

विचारक 5: फ्रेडरिक विंसलो टेलर (1856-1915)

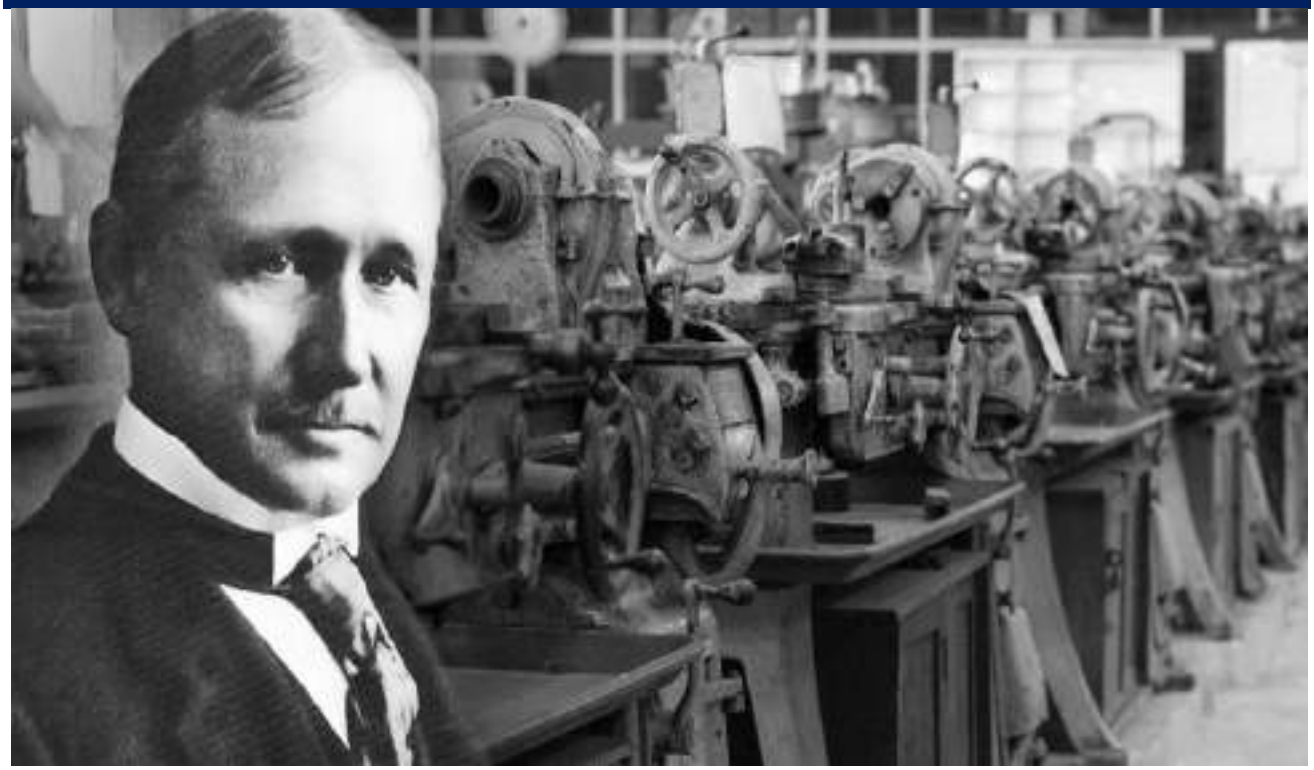

1. **परिचय :**

   एफ.डब्लू. टेलर एक अमेरिकी मैकेनिकल इंजीनियर थे और प्रबंधन के शास्त्रीय दृष्टिकोण के अग्रणी थे। उन्हें व्यापक रूप से "वैज्ञानिक प्रबंधन" के जनक के रूप में जाना जाता है, जो एक ऐसा सिद्धांत है जो इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं में वैज्ञानिक तरीकों को लागू करके आर्थिक दक्षता, विशेष रूप से श्रम उत्पादकता में सुधार करने की कोशिश करता है।

2. **प्रमुख योगदान:**

   - **समय और गति अध्ययन:** उन्होंने कार्य प्रक्रियाओं को उनके घटक भागों में विभाजित करके तथा प्रत्येक कार्य को करने के लिए सबसे कुशल विधि निर्धारित करने के लिए समय का व्यवस्थित विश्लेषण

किया।

- **उपकरणों और प्रक्रियाओं का मानकीकरण:** टेलर ने न केवल कार्य के तरीकों के मानकीकरण की वकालत की, बल्कि स्थिरता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रयुक्त उपकरणों और उपकरणों के मानकीकरण की भी वकालत की।
- **विभेदक टुकड़ा-दर प्रणाली:** उन्होंने एक भुगतान प्रणाली का प्रस्ताव रखा, जिसमें श्रमिकों को उत्पादन के मानक स्तर से अधिक उत्पादन के लिए उच्च दर का भुगतान किया जाता था, जिससे उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रत्यक्ष प्रोत्साहन मिलता था।

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **एक सर्वोत्तम तरीका:** वैज्ञानिक प्रबंधन का केंद्रीय सिद्धांत यह है कि प्रत्येक कार्य के लिए, निष्पादन का एक सर्वोत्तम तरीका होता है जिसे वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से खोजा जा सकता है।
   - **मानसिक क्रांति:** टेलर ने प्रबंधन और श्रमिकों दोनों की ओर से एक "मानसिक क्रांति" का आह्वान किया, तथा उनसे संघर्षपूर्ण संबंध से समग्र अधिशेष को बढ़ाने पर केंद्रित सहयोगात्मक संबंध की ओर स्थानांतरित होने का आग्रह किया, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा।
   - **कार्यात्मक फोरमैनशिप:** एक प्रणाली जिसमें पर्यवेक्षी कार्यभार को कई विशेषज्ञ फोरमैन (जैसे, एक स्पीड बॉस, एक मरम्मत बॉस) के बीच विभाजित किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक कार्य के एक विशिष्ट पहलू के लिए जिम्मेदार होता है।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *वैज्ञानिक प्रबंधन के सिद्धांत* (1911)
   - *दुकान प्रबंधन* (1903)

अमृत बुकलेट

PROFESSORS ADDA

यह क्या है, क्यों पढ़ें इसे?

- **AMRIT Booklet** को विषय की सभी प्रमुख पुस्तको से परीक्षा उपयोगी सार निकाल एक जगह **PYQ** पैटर्न पर बनाया गया है । आपको बुक्स नही पढ़नी अब.
- यह सिर्फ एक सामान्य बुकलेट नहीं, बल्कि एक **Top-Level rstudy Tool** है, जिसे विशेष रूप से उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो तेज़ रिवीजन, **Exam-Time Recall** और **Concept Clarity** चाहते हैं।
- इसमें आपको मिलेगा हर जरूरी टॉपिक का "अमृत निचोड़" — यानी वही बातें जो परीक्षा में बार-बार पूछी जाती हैं।
- यह **Booklet** हर विषय के **Core Concepts, Keywords, Thinkers, Definitions** और **Chronology** को एक जगह समेटती है — और वो भी एकदम **crisp** तरीके से प्रश्न और उत्तर शैली मे ।

🧠 लाभ और विशेषताएँ:

- ✓ Super Quick Revision Tool
- ✓ Exam Time Confidence Booster
- ✓ High Retention Format –
- ✓ 100% Exam-Oriented – No Extra, No Fluff

ALL INDIA RANK

कैसे करें सर्वोत्तम उपयोग?

✅ पहले गाइड से टॉपिक का अमृत पेज पढ़ें
✅ Concepts के साथ-साथ Keywords को याद करें
✅ उसी दिन उस टॉपिक से MCQs हल करें
✅ परीक्षा से पहले सिर्फ इसी से रिवीजन करें — Time Saving, Score Boosting

T Bonus Insides

🎯 यह किनके लिए है?

- ✅ **NET / SET/ PGT**
- ✅ **Assistant Professor Candidates**
- ✅ जिन्हे समय कम है लेकिन **Result** चाहिए **Strong** और **SYLLABUS** भी पूरा हो

यह **Booklet** उन सभी के लिए है जो सिर्फ पढ़ना नहीं, "सही पढ़ना" चाहते हैं।

🔑 क्या-क्या मिलेगा इसमें?

- **One Page One Topic Format** – हर पेज पर एक पूरा टॉपिक क्लियर
- **2025** के नवीनतम बदलावों के अनुसार अपडेटेड

PROFESSORS ADDA

📦 Available in Digital PDF + Print Format

📤 अभी बुक करें | DM करें | WhatsApp करें | Link से डाउनलोड करें

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

इकाई 1: लोक प्रशासन

लोक प्रशासन का परिचय:

1. **प्रश्न:** वह आधारभूत निबंध कौन सा है जिसने लोक प्रशासन को राजनीति विज्ञान से अलग किया? **उत्तर:** वुडरो विल्सन का 1887 का निबंध, "प्रशासन का अध्ययन।"
2. **प्रश्न: 1900 में प्रकाशित अपनी पुस्तक** *"पॉलिटिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन"* में राजनीति-प्रशासन के द्वंद्व को किसने पुख्ता किया ? **उत्तर:** फ्रैंक जे. गुडनॉ।
3. **प्रश्न:** "सरकार से शासन" की ओर प्रतिमान परिवर्तन की प्राथमिक विशेषता क्या है? **उत्तर:** राज्य-केंद्रित मॉडल से सहयोगात्मक, नेटवर्क-आधारित दृष्टिकोण की ओर बदलाव।
4. **प्रश्न:** 1937 में प्रकाशित किस प्रमुख पाठ ने POSDCORB के संक्षिप्त नाम को लोकप्रिय बनाया? **उत्तर:** *प्रशासन विज्ञान पर* गुलिक और उर्विक के पत्र ।
5. **प्रश्न: 1938 में अपनी पुस्तक** *द फंक्शन्स ऑफ द एग्जीक्यूटिव* में

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

"प्राधिकार के स्वीकृति सिद्धांत" को किसने परिभाषित किया था ? उत्तर: चेस्टर बर्नार्ड।

6. प्रश्न: वह कौन सा सिद्धांत है जिसके अनुसार एक कर्मचारी को केवल एक ही वरिष्ठ से आदेश प्राप्त करने चाहिए? उत्तर: आदेश की एकता।
7. प्रश्न: कौन सा शब्द अधीनस्थों की उस संख्या को संदर्भित करता है, जिसका प्रबंधक प्रभावी रूप से पर्यवेक्षण कर सकता है? उत्तर: नियंत्रण की सीमा।
8. प्रश्न: किसी संगठन में उनके कार्यों के आधार पर तीन प्रकार की एजेंसियां कौन सी हैं? उत्तर: लाइन, स्टाफ और सहायक।
9. प्रश्न: वह कौन सा सिद्धांत है जिसके अनुसार सिविल सेवकों को राजनीतिक रूप से निष्पक्ष रहना चाहिए और तत्कालीन सरकार की सेवा करनी चाहिए? उत्तर: सिविल सेवा तटस्थता।
10. प्रश्न: वह कौन सा सिद्धांत है जिसके तहत प्रशासनिक कार्यों के लिए मंत्रियों को जवाबदेह ठहराया जाता है और सिविल सेवक पृष्ठभूमि में रहते हैं? उत्तर: गुमनाम।
11. प्रश्न: सेवा में रहते हुए कर्मचारियों के लिए किस प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है? उत्तर: सेवाकालीन प्रशिक्षण।
12. प्रश्न: भारत में अखिल भारतीय सेवाओं में भर्ती के लिए जिम्मेदार संवैधानिक निकाय कौन सा है? उत्तर: संघ लोक सेवा आयोग

(यूपीएससी)।

13. **प्रश्न:** किस प्रणाली में राजनीतिक समर्थकों को सरकारी नौकरियों से पुरस्कृत किया जाता था? **उत्तर:** लूट प्रणाली।

14. **प्रश्न:** किसी अधीनस्थ को प्रबंधक के काम का एक हिस्सा और आवश्यक अधिकार सौंपने को क्या कहते हैं? **उत्तर:** प्रत्यायोजन।

15. **प्रश्न:** मानव संसाधन प्रबंधन के लिए आधुनिक, समग्र दृष्टिकोण क्या है जो पारंपरिक कार्मिक प्रशासन से भिन्न है? **उत्तर:** मानव संसाधन प्रबंधन (HRM)।

16. **प्रश्न:** 1970 के दशक में किस अवधारणा ने लोकप्रिय रूप से सिविल सेवा तटस्थता की पारंपरिक धारणा को चुनौती दी? **उत्तर:** प्रतिबद्ध नौकरशाही।

17. **प्रश्न:** कौन सा शास्त्रीय सिद्धांत यह बताता है कि विशेषज्ञता कार्य को विभाजित करके दक्षता बढ़ाती है? **उत्तर:** कार्य का विभाजन।

18. **प्रश्न:** संगठनात्मक सिद्धांतों के संदर्भ में 'केंद्रीकरण' का क्या अर्थ है? **उत्तर:** किसी संगठन के शीर्ष स्तरों पर अधिकार का संकेंद्रण।

19. **प्रश्न:** राज्य, बाज़ार और नागरिक समाज को शामिल करते हुए सहयोगात्मक, नेटवर्क-आधारित दृष्टिकोण के लिए क्या शब्द है? **उत्तर:** शासन।

20. **प्रश्न:** बहु-स्तरीय शासन के उदय और पारंपरिक राज्य सीमाओं के धुंधले

होने का क्या कारण है? **उत्तर:** वैश्वीकरण।

21. **प्रश्न:** लोक प्रशासन के लिए "पहचान के संकट" काल का क्या महत्व है? **उत्तर:** यह 1950 से 1970 के दशक तक एक विशिष्ट शैक्षणिक पहचान स्थापित करने के लिए अनुशासन के संघर्ष का प्रतीक था।
22. **प्रश्न:** वैज्ञानिक प्रबंधन आंदोलन का जनक किसे माना जाता है? **उत्तर:** फ्रेडरिक डब्ल्यू. टेलर (1911)।
23. **प्रश्न:** एल्टन मेयो द्वारा किए गए हॉथोर्न प्रयोगों का मुख्य निष्कर्ष क्या है? **उत्तर:** श्रमिक उत्पादकता निर्धारित करने में भौतिक परिस्थितियों की तुलना में सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारक अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।
24. **प्रश्न:** हर्बर्ट साइमन की "सीमित तर्कसंगतता" का केंद्रीय विचार क्या है? **उत्तर:** प्रशासक संज्ञानात्मक और सूचनात्मक सीमाओं के कारण पूर्णतः तर्कसंगत न होकर "काफी अच्छे" निर्णय लेते हैं।
25. **प्रश्न:** 1980 के दशक में उभरे नए लोक प्रबंधन (एनपीएम) का एक प्रमुख सिद्धांत क्या है? **उत्तर:** निजी क्षेत्र की प्रबंधन तकनीकों को लोक प्रशासन में लागू करना।
26. **प्रश्न:** अधिकार और शक्ति में क्या अंतर है? **उत्तर:** अधिकार आदेश देने का वैध अधिकार है, जबकि शक्ति दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता है।
27. **प्रश्न:** वह कौन सी अवधारणा है जो यह सुझाव देती है कि प्रशासकों को तटस्थता को चुनौती देते हुए सरकार के सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों के प्रति

समर्पित होना चाहिए? उत्तर: प्रतिबद्ध नौकरशाही।

28. प्रश्न: किसी संगठन में 'समन्वय' क्या है? उत्तर: सामान्य उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु विभिन्न इकाइयों की गतिविधियों को एकीकृत करने की प्रक्रिया।

29. प्रश्न: प्रशासन के लिए "मानव संबंध" दृष्टिकोण का प्रस्ताव किसने रखा? उत्तर: एल्टन मेयो।

30. प्रश्न: 'सहायक एजेंसी' की प्राथमिक भूमिका क्या है? उत्तर: संगठन को रखरखाव और खरीद जैसी सामान्य सेवाएँ प्रदान करना।

31. प्रश्न: 'लाइन' और 'स्टाफ़' प्राधिकरण में क्या अंतर है? उत्तर: लाइन प्राधिकरण प्रत्यक्ष आदेश प्राधिकरण है, जबकि स्टाफ प्राधिकरण सलाहकार प्राधिकरण है।

32. प्रश्न: जब किसी कर्मचारी को कई वरिष्ठों से परस्पर विरोधी आदेश प्राप्त होते हैं, तो किस सिद्धांत का उल्लंघन होता है? उत्तर: आदेश की एकता।

33. प्रश्न: भारतीय सिविल सेवाओं के लिए कानूनी ढांचा क्या है? उत्तर: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 309।

34. प्रश्न: सार्वजनिक कर्मचारियों के व्यवहार को निर्देशित करने वाले मूल्यों, विश्वासों और मानदंडों के समूह को क्या कहते हैं? उत्तर: प्रशासनिक संस्कृति।

35. प्रश्न: लोक प्रशासन में 'लौह त्रिभुज' का क्या अर्थ है? उत्तर: एक हित समूह, एक विधायी समिति और एक नौकरशाही एजेंसी के बीच

पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध।

36. **प्रश्न:** वह कौन सा सिद्धांत है जो संगठनों के अपने पर्यावरण के साथ अंत:क्रिया करने वाली प्रणालियों के रूप में अध्ययन पर ज़ोर देता है? **उत्तर:** प्रणाली सिद्धांत।

37. **प्रश्न:** नौकरशाही के आधार के रूप में "तर्कसंगत-कानूनी प्राधिकार" के विचार से कौन जुड़ा है? **उत्तर:** मैक्स वेबर।

38. **प्रश्न:** 'तटस्थता का सिद्धांत' क्या है? **उत्तर:** यह विचार कि सिविल सेवकों को सत्ता में आने वाले किसी भी राजनीतिक दल की बिना किसी पूर्वाग्रह के सेवा करनी चाहिए।

39. **प्रश्न:** 'विकास प्रशासन' का मुख्य केंद्रबिंदु क्या है? **उत्तर:** विकासशील देशों में विकास कार्यक्रमों का प्रशासन।

40. **प्रश्न:** किसी संगठन में प्राधिकरण को केंद्रीय बिंदु से निचले स्तर तक ले जाने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं ? **उत्तर:** विकेंद्रीकरण।

41. **प्रश्न:** 'कार्मिक प्रशासन' का प्राथमिक कार्य क्या है? **उत्तर:** मानव संसाधन का प्रबंधन, जिसमें भर्ती, प्रशिक्षण और पारिश्रमिक शामिल हैं।

42. **प्रश्न:** लोक प्रशासन में 'जवाबदेही' का क्या अर्थ है? **उत्तर:** लोक अधिकारियों का अपने कार्यों और निर्णयों के लिए जवाबदेह होना।

43. **प्रश्न:** प्रशासनिक चिंतन में मैरी पार्कर फोलेट का प्रमुख योगदान क्या है? **उत्तर:** "एकीकृत एकता" की अवधारणा, जो सहयोग और संघर्ष समाधान

पर ज़ोर देती है।

44. **प्रश्न:** राजनीतिक संबंधों के बजाय योग्यता के आधार पर सरकारी सेवा के लिए व्यक्तियों का चयन करने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं? **उत्तर:** योग्यता प्रणाली।

45. **प्रश्न:** भारत सरकार में 'कैबिनेट सचिव' की क्या भूमिका होती है? **उत्तर:** सिविल सेवा बोर्ड का प्रमुख और भारत का सर्वोच्च पदस्थ सिविल सेवक।

46. **प्रश्न:** संगठनात्मक सिद्धांत में 'फेयोल ब्रिज' या 'गैंगप्लैंक' क्या है? **उत्तर:** एक सिद्धांत जो एक ही स्तर पर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के बीच सीधे संवाद की अनुमति देता है।

47. **प्रश्न:** अमेरिका में प्रथम हूवर आयोग (1947) का क्या महत्व है? **उत्तर:** इसका उद्देश्य सरकार की कार्यकारी शाखा का पुनर्गठन और उसकी कार्यकुशलता में सुधार करना था।

48. **प्रश्न:** लोक प्रशासन में 'लोक चयन सिद्धांत' क्या है? **उत्तर:** प्रशासनिक व्यवहार को समझने के लिए आर्थिक सिद्धांतों का अनुप्रयोग, जिसमें स्वार्थी कर्ता शामिल होते हैं।

49. **प्रश्न:** 'ई-गवर्नेंस' क्या है? **उत्तर:** लोक प्रशासन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का अनुप्रयोग।

50. **प्रश्न:** 'नई लोक सेवा' दृष्टिकोण क्या है? **उत्तर:** एनपीएम का एक विकल्प जो नागरिकता, लोकतंत्र और जनहित की सेवा पर ज़ोर देता है।

51. **प्रश्न:** 'नए सार्वजनिक प्रबंधन' मॉडल का मुख्य सिद्धांत क्या है? **उत्तर:** प्रदर्शन-आधारित प्रबंधन और बाज़ार-शैली की प्रतिस्पर्धा।

52. **प्रश्न:** सरकार से निजी क्षेत्र में कार्यों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं? **उत्तर:** निजीकरण।

53. **प्रश्न:** 'विकेंद्रीकरण' और 'प्रत्यायोजन' में क्या अंतर है? **उत्तर:** विकेंद्रीकरण में सत्ता का स्थायी हस्तांतरण होता है, जबकि प्रत्यायोजन में अस्थायी कार्य होता है।

54. **प्रश्न:** सार्वजनिक, निजी और निजी संगठनों का 'त्रि-स्तरीय वर्गीकरण' किसने दिया? **उत्तर:** पीटर ड्रकर।

55. **प्रश्न:** फ्रेड डब्ल्यू. रिग्स द्वारा लिखित 'प्रशासन की पारिस्थितिकी' का मुख्य तर्क क्या है? **उत्तर:** प्रशासनिक प्रणालियाँ अपने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक वातावरण से प्रभावित होती हैं।

56. **प्रश्न:** किसी संगठन में 'कर्मचारी एजेंसी' की क्या भूमिका होती है? **उत्तर:** लाइन प्रबंधकों को विशेष सलाह, सहायता और सेवाएँ प्रदान करना।

57. **प्रश्न:** 'सिविल सेवक की गुमनामी' का क्या अर्थ है? **उत्तर:** मंत्री अपने विभाग के कार्यों के लिए सार्वजनिक रूप से ज़िम्मेदार हैं, न कि व्यक्तिगत सिविल सेवक।

58. **प्रश्न:** कार्मिक प्रशासन में 'योग्यता प्रणाली' क्या है? **उत्तर:** भर्ती और

पदोन्नति की वह प्रणाली जो योग्यता और प्रदर्शन पर आधारित होती है, न कि राजनीतिक संबद्धता पर।

59. **प्रश्न:** 'शून्य-आधारित बजट' क्या है? **उत्तर:** एक ऐसी विधि जिसमें प्रत्येक नई अवधि की शुरुआत में सभी व्ययों का औचित्य सिद्ध करना आवश्यक होता है।

60. **प्रश्न:** भारत में 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों का क्या महत्व है ? **उत्तर:** इन संशोधनों ने क्रमशः पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकायों को संस्थागत रूप दिया और विकेंद्रीकरण को बढ़ावा दिया।

61. **प्रश्न:** 'नेतृत्व' का केंद्रीय विषय क्या है? **उत्तर:** समान लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दूसरों को प्रभावित करने और मार्गदर्शन करने की क्षमता।

62. **प्रश्न:** डगलस मैकग्रेगर के 'सिद्धांत X' और 'सिद्धांत Y' में क्या अंतर है? **उत्तर:** सिद्धांत X मानता है कि कर्मचारी आलसी होते हैं और उन्हें नियंत्रण की आवश्यकता होती है, जबकि सिद्धांत Y मानता है कि वे प्रेरित होते हैं और ज़िम्मेदारी चाहते हैं।

63. **प्रश्न:** ड्वाइट वाल्डो के अनुसार 'लोक प्रशासन' क्या है? **उत्तर:** सरकार के माध्यम से सार्वजनिक मामलों का प्रबंधन।

64. **प्रश्न:** 'नौकरशाही' शब्द का क्या अर्थ है? **उत्तर:** प्रशासन की एक ऐसी प्रणाली जिसमें प्राधिकार का पदानुक्रम, श्रम विभाजन और औपचारिक

नियम होते हैं।

65. **प्रश्न:** प्रबंधन में 'नियंत्रण की सीमा' का सिद्धांत क्या है? **उत्तर:** यह अधीनस्थों की उस संख्या को संदर्भित करता है जिसका एक प्रबंधक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पर्यवेक्षण कर सकता है।

66. **प्रश्न:** सिविल सेवा के संदर्भ में 'मंत्रिस्तरीय उत्तरदायित्व का सिद्धांत' क्या है? **उत्तर:** एक मंत्री अपने मंत्रालय के सभी कार्यों के लिए, जिसमें सिविल सेवकों के कार्य भी शामिल हैं, विधायिका के प्रति उत्तरदायी होता है।

67. **प्रश्न:** 'मानव संबंध आंदोलन' का मुख्य विचार क्या है? **उत्तर:** कर्मचारी संतुष्टि और उत्पादकता के लिए कार्यस्थल में सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारकों का महत्व।

68. **प्रश्न:** लोक प्रशासन में 'लोकपाल' की क्या भूमिका है? **उत्तर:** एक स्वतंत्र अधिकारी जो सरकारी एजेंसियों के विरुद्ध शिकायतों की जाँच करता है।

69. **प्रश्न:** 'नई लोक सेवा' (एनपीएस) का मुख्य संबंध किससे है? **उत्तर:** नागरिकों को ग्राहक मानने के बजाय, उन्हें सेवा प्रदान करना और जनहित में काम करना।

70. **प्रश्न:** कार्मिक प्रशासन में 'प्रशिक्षण' का उद्देश्य क्या है? **उत्तर:** कर्मचारियों के प्रदर्शन, ज्ञान और कौशल में सुधार करना।

71. **प्रश्न:** सिविल सेवा में 'सामान्यज्ञों' और 'विशेषज्ञों' के बीच क्या अंतर

है? उत्तर: सामान्यज्ञों के पास व्यापक प्रशासनिक कौशल होते हैं, जबकि विशेषज्ञों के पास किसी विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता होती है।

72. प्रश्न: संगठन का 'पदानुक्रम' सिद्धांत क्या है? उत्तर: अधिकार के आधार पर व्यक्तियों या इकाइयों को ऊपर से नीचे तक क्रमबद्ध करने की एक प्रणाली।

73. प्रश्न: हर्बर्ट साइमन द्वारा प्रस्तावित 'सीमित तर्कसंगतता' के पीछे मुख्य विचार क्या है? उत्तर: निर्णयकर्ता अपनी संज्ञानात्मक क्षमताओं और उपलब्ध जानकारी द्वारा सीमित होते हैं।

74. प्रश्न: सिविल सेवा के संदर्भ में 'प्रतिबद्धता' का क्या अर्थ है? उत्तर: एक सिविल सेवक का तत्कालीन सरकार के लक्ष्यों और नीतियों के प्रति समर्पण।

75. प्रश्न: 'हॉथोर्न प्रभाव' क्या है? उत्तर: वह घटना जिसमें प्रयोग में शामिल व्यक्ति केवल इसलिए अपना व्यवहार बदल देते हैं क्योंकि उनका अवलोकन किया जा रहा होता है।

76. प्रश्न: 'कमांड लाइन' क्या है? उत्तर: किसी संगठन में सर्वोच्च प्राधिकारी से निम्नतम स्तर तक कमांड की श्रृंखला।

77. प्रश्न: 'ई-गवर्नेंस' का मुख्य उद्देश्य क्या हासिल करना है? उत्तर: सरकार में पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक भागीदारी बढ़ाना।

78. प्रश्न: 'लोकतांत्रिक नौकरशाही' की प्राथमिक विशेषता क्या है? उत्तर:

जनता और राजनीतिक नेतृत्व के प्रति जवाबदेही और उत्तरदायित्व।

79. **प्रश्न:** 'कमांड की एकता' की अवधारणा क्या है? **उत्तर:** एक कर्मचारी को केवल एक पर्यवेक्षक के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

80. **प्रश्न:** 'नियंत्रण की अवधि' का सामान्य नियम क्या है? **उत्तर:** एक प्रबंधक उच्च स्तर पर 5-6 अधीनस्थों और निचले स्तर पर बड़ी संख्या में अधीनस्थों का प्रभावी ढंग से पर्यवेक्षण कर सकता है।

81. **प्रश्न:** 'विकेंद्रीकरण' क्या है? **उत्तर:** सभी प्राधिकारों को निम्नतम स्तर पर सौंपने का व्यवस्थित प्रयास, सिवाय उन प्राधिकारों के जो केवल केंद्रीय बिंदुओं पर ही प्रयोग किए जा सकते हैं।

82. **प्रश्न:** 'योग्यता सिद्धांत' क्या है? **उत्तर:** यह विचार कि नियुक्तियाँ और पदोन्नति योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर होनी चाहिए।

83. **प्रश्न:** 'लोक सेवक' और 'सिविल सेवक' में क्या अंतर है? **उत्तर:** लोक सेवक सरकार का कोई भी कर्मचारी होता है, जबकि सिविल सेवक स्थायी कर्मचारियों का एक विशिष्ट वर्ग होता है।

84. **प्रश्न:** 'लोक प्रशासन एक कला' का मुख्य सिद्धांत क्या है? **उत्तर:** इसमें निर्णय, अंतर्ज्ञान और अनुभव शामिल हैं, जिन्हें विज्ञान के रूप में संहिताबद्ध नहीं किया जा सकता।

85. **प्रश्न:** 'प्रशासनिक कानून' क्या है? **उत्तर:** कानून का वह निकाय जो सरकार की प्रशासनिक एजेंसियों की गतिविधियों को नियंत्रित करता है।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

86. **प्रश्न:** 'लोक चयन सिद्धांत' का मुख्य तर्क क्या है? **उत्तर:** यह कि सार्वजनिक प्रशासक, निजी व्यक्तियों की तरह, स्वार्थ से प्रेरित होते हैं।

87. **प्रश्न:** ब्रिटेन में 'नोलन समिति' का क्या महत्व है? **उत्तर:** इसने सार्वजनिक सेवा में नैतिक मानकों को बढ़ावा देने के लिए 'सार्वजनिक जीवन के सात सिद्धांत' स्थापित किए।

88. **प्रश्न:** 'प्रशासनिक विवेक' की अवधारणा क्या है? **उत्तर:** स्पष्ट नियमों या दिशानिर्देशों के अभाव में प्रशासकों को चुनाव और निर्णय लेने की स्वतंत्रता।

89. **प्रश्न:** 'प्रत्यायोजित विधान' क्या है? **उत्तर:** विधानमंडल द्वारा किसी अधीनस्थ निकाय, जैसे कि सरकारी विभाग, को दी गई कानून निर्माण शक्तियाँ।

90. **प्रश्न:** भारत में 'सतर्कता आयुक्त' की क्या भूमिका है? **उत्तर:** सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों की जाँच करने वाला एक स्वतंत्र प्राधिकरण।

91. **प्रश्न:** भारतीय सिविल सेवाओं के संदर्भ में 'आनंद का सिद्धांत' क्या है? **उत्तर:** वह कानूनी सिद्धांत जिसके अनुसार सिविल सेवक राष्ट्रपति या राज्यपाल की इच्छा पर्यन्त पद धारण करते हैं।

92. **प्रश्न:** भारत में 'शहरी स्थानीय निकायों' का मुख्य उद्देश्य क्या है? **उत्तर:** शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सेवाएँ और प्रशासन प्रदान करना।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

93. **प्रश्न:** सिविल सेवा में 'प्रशिक्षण' का क्या महत्व है? **उत्तर:** यह कौशल बढ़ाता है, दक्षता में सुधार करता है और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देता है।

94. **प्रश्न:** सिविल सेवा में 'गुमनाम' का जवाबदेही के लिए क्या अर्थ है? **उत्तर:** यह प्रशासनिक कार्यों की ज़िम्मेदारी राजनीतिक रूप से निर्वाचित मंत्री पर डाल देता है।

95. **प्रश्न:** अब्राहम मास्लो का 'आवश्यकताओं का पदानुक्रम' सिद्धांत क्या है? **उत्तर:** यह बताता है कि कर्मचारी बुनियादी से लेकर आत्म-साक्षात्कार तक की आवश्यकताओं की एक श्रृंखला से प्रेरित होते हैं।

96. **प्रश्न:** 'सिविल सेवा संघ' का प्राथमिक कार्य क्या है? **उत्तर:** सिविल सेवकों के वेतन, शर्तों और अधिकारों के संबंध में उनके सामूहिक हितों का प्रतिनिधित्व करना।

97. **प्रश्न:** 'सरकार से शासन' की ओर 'प्रतिमान परिवर्तन' क्या है? **उत्तर:** आदेश और नियंत्रण दृष्टिकोण से सहयोगात्मक और सहभागी दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन।

98. **प्रश्न:** लोक प्रशासन में 'वैश्वीकरण' की प्रमुख विशेषता क्या है? **उत्तर:** राष्ट्रीय नीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सीमा-पार मुद्दों का बढ़ता प्रभाव।

99. **प्रश्न:** एलडी व्हाइट के अनुसार 'लोक प्रशासन' क्या है? **उत्तर:**

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

सार्वजनिक मामलों का प्रबंधन और सार्वजनिक नीतियों को लागू करने की कला।

100. **प्रश्न:** 'प्राधिकार का प्रत्यायोजन' क्या है? **उत्तर:** वह प्रक्रिया जिसके द्वारा एक प्रबंधक अपने अधीनस्थ को कोई कार्य सौंपता है और उसे पूरा करने का अधिकार देता है।

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (Commerce)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

Priya Mehta
UGC NET (Education)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (English Literature)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (Sociology)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (Psychology)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

Anjali Singh
UGC NET (Political Science)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (History)
Guwahati

"The institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Our Toppers

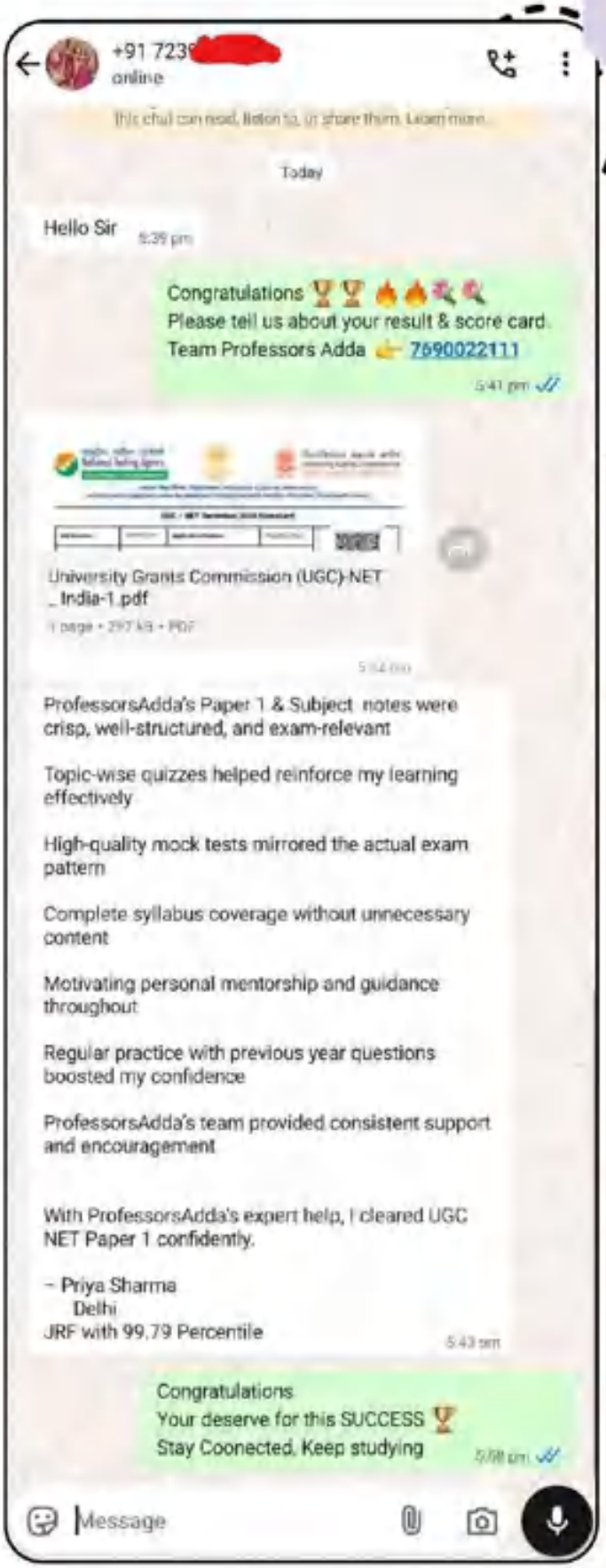

📞 +91 7690022111 +91 9216228788

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (PAPER 1)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

Priya Mehta
UGC NET (PAPER 1)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (PAPER 1)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (PAPER 1)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

Anjali Singh
UGC NET (PAPER 1)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (PAPER 1)
Guwahati

"The institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Our Toppers

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Professors Adda UGC NE

87162 members, 2123 online

Pinned Message

Offer 💐 UGC –NET / JRF ASST PROFESSO...

2478 join requests

ProfessorsAdda NET JRF

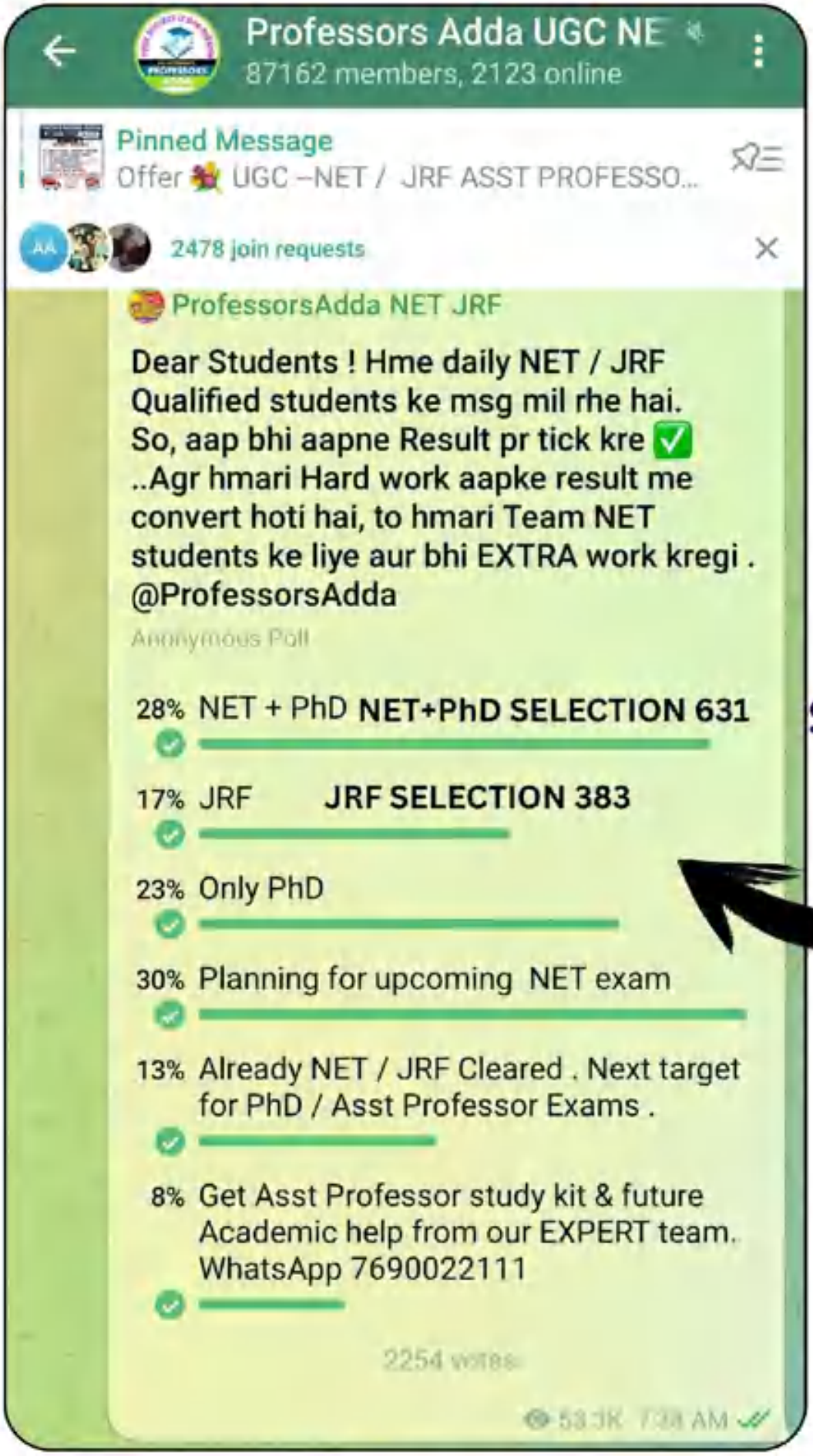

Dear Students ! Hme daily NET / JRF Qualified students ke msg mil rhe hai. So, aap bhi aapne Result pr tick kre ✅ ..Agr hmari Hard work aapke result me convert hoti hai, to hmari Team NET students ke liye aur bhi EXTRA work kregi . @ProfessorsAdda

Anonymous Poll

- 28% NET + PhD **NET+PhD SELECTION 631**
- 17% JRF **JRF SELECTION 383**
- 23% Only PhD
- 30% Planning for upcoming NET exam
- 13% Already NET / JRF Cleared . Next target for PhD / Asst Professor Exams .
- 8% Get Asst Professor study kit & future Academic help from our EXPERT team. WhatsApp 7690022111

2254 votes

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Exclusive English GROUP

INDIA'S NO 1 UGC NET GROUP

CLICK HERE TO JOIN

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

MANY MORE SELECTION

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY
COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest 10 YEAR PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

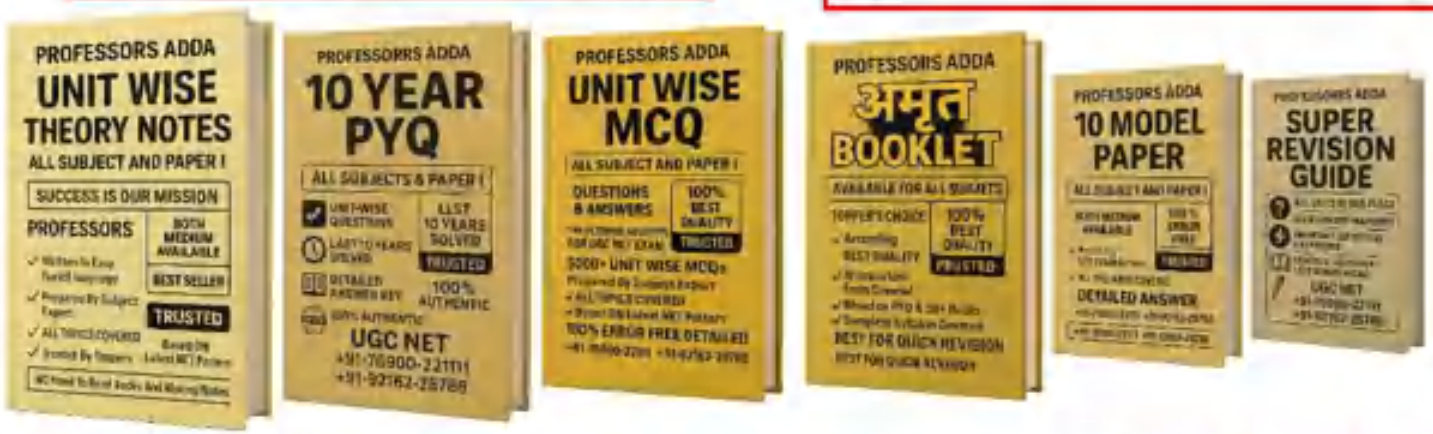

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY
COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

NEW PRODUCT

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

OUR ALL PRODUCTS

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

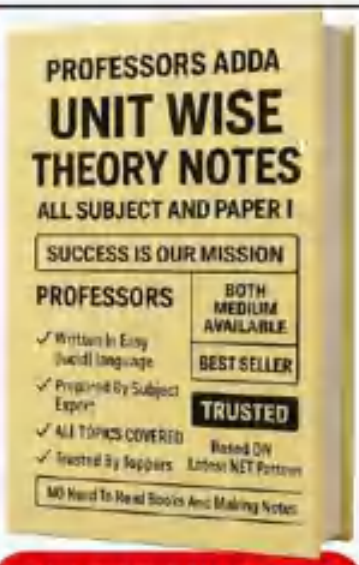

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

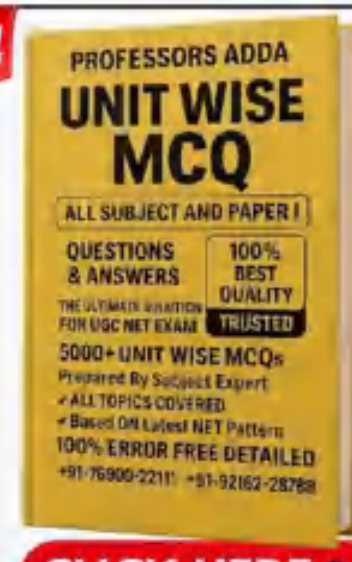

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

+91 7690022111+91 9216228788